email:mahanadisuperfast20@gmail.com

३ राज्य ओडिशा छत्तीसगढ झारखंड का लाइफ लाइन

महानदी सुपरफास्ट

MAHANADI SUPERFAST

वर्ष:3 अंक:132 कटक बुधवार 12 अक्टूबर 2022 मूल्य रु.2.00 R.N.I NO. ODIHIN/2020/81174

टेरर फंडिंग केस में एनआईए का बड़ा ऐक्शन; जम्मू-कश्मीर के पुलवामा, शोपियां, राजौरी समेत कई इलाकों में रेड

श्रीनगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने जम्मू और कश्मीर में अल हुदा एजुकेशनल ट्रस्ट की संदिग्ध गतिविधियों से जुड़े आतंकी फंडिंग मामले में छापेमारी की है। आतंकवाद विरोधी एजेंसी केंद्र शासित प्रदेश के राजौरी, पुंछ, जम्मू, श्रीनगर, पुलवामा, बडगाम, शोपियां और बांदीपोरा जिलों में अलग-अलग स्थानों पर तलाशी ले रही है। यह छापेमारी जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की टीमें मिलकर कर रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह मामला जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में अल हुदा एजुकेशनल ट्रस्ट की संदिग्ध गतिविधियों से जुड़ा है। इस ट्रस्ट के फंडिंग पैटर्न और गतिविधियों को लेकर एनआईए की ओर से केस दर्ज किया गया था, जो जमात-ए-इस्लामी जम्मू-कश्मीर की यूनिट के तौर पर काम कर रहा है। इसे 2019 में के तहत एक गैरकानूनी संघ घोषित किया गया था। गौरतलब है कि बीते महीने एनआईए की अगुवाई में कई एजेंसियों ने 11 राज्यों में आतंकवाद के वित्त पोषण में शामिल संदिग्धों के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के कम से कम 106 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि सबसे अधिक गिरफ्तारियां केरल (22), महाराष्ट्र (20), कर्नाटक (20), आंध्र प्रदेश (5), असम (9), दिल्ली (3), मध्य प्रदेश (4), पुडुचेरी (3), तमिलनाडु (10), उत्तर प्रदेश (8) और राजस्थान (2) में की गईं। दिल्ली हाई कोर्ट ने बीते शुक्रवार को एनआईए से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें पीएफआई के कथित सदस्यों के खिलाफ गैर-कानूनी गतिविधियां कानून के तहत दर्ज मामले से जुड़ी प्राथमिकी की प्रति उपलब्ध कराने की अपील की गई थी। जस्टिस अनूप कुमार मेंदीरत्ता ने मोहम्मद यूसुफ की ओर से दायर याचिका पर एनआईए को नोटिस जारी किया।

पीएम ने जेपी और नानाजी देशमुख को उनकी जयंती पर दी श्रद्धांजलि, कहा– राष्ट्र निर्माण में खुद को किया समर्पित

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट किया कि लोकनायक जेपी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। भारत में उनका योगदान अद्वितीय है। उन्होंने लाखों लोगों को राष्ट्र निर्माण के लिए खुद को समर्पित करने के लिए प्रेरित किया।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को जयप्रकाश नारायण को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। जयप्रकाश नारायण इमरजेंसी विरोधी आंदोलन से उभरे एक बड़े नेता थे। पीएम मोदी ने जेपी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने लोगों को राष्ट्र निर्माण के लिए खुद को समर्पित करने के लिए प्रेरित किया।

इसके साथ ही पीएम मोदी ने जनसंघ के नेता नानाजी देशमुख को भी उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। नानाजी देशमुख ने 60 के दशक में सामाजिक कार्य और ग्रामीण सशक्तिकरण के लिए सक्रिय राजनीति छोड़ दी थी।

भारत में जेपी का योगदान अद्वितीय:पीएम मोदी

पीएम मोदी ने ट्विटर पर एक वीडियो ट्वीट करते हुए कहा कि लोकनायक जेपी को उनकी जयंती पर

श्रद्धांजलि। भारत में उनका योगदान अद्वितीय है। उन्होंने लाखों लोगों को राष्ट्र निर्माण के लिए खुद को समर्पित करने के लिए प्रेरित किया। उन्हें हमेशा लोकतांत्रिक आदर्शों के पथ प्रदर्शक के रूप में याद किया जाएगा।

नानाजी एक उत्कृष्ट विचारक थे:पीएम मोदी

इसके साथ ही पीएम मोदी ने अपने दूसरे ट्वीट में देशमुख को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, 'भारत रत्न नानाजी देशमुख को उनकी जयंती पर याद कर रहा हूं। ग्रामीण भारत और कृषि की उनकी समृद्ध समझ उनके कार्यों में परिलक्षित होती है। वे एक उत्कृष्ट विचारक भी थे।'

विरोध प्रदर्शनों के बीच सक्रिय राष्ट्रीय राजनीति में आए जेपी

1902 में जन्मे जेपी को प्यार से लोग उन्हें नारायण बुलाते थे। वह एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी और एक क्रांतिकारी समाजवादी नेता थे। आजादी के बाद वे ज्यादातर सामाजिक कार्यों में शामिल रहते हुए दलगत

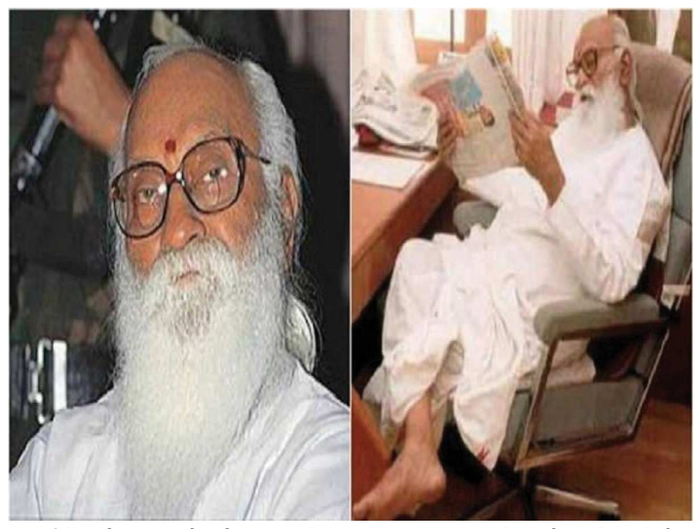

राजनीति से दूर रहे थे। हालांकि, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस की नीतियों के खिलाफ छात्र निकायों सहित विरोध प्रदर्शनों के बीच वह राष्ट्रीय राजनीति पर लौट आए थे।

छत्तीसगढ़ में अफसरों के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, कई सीएम बघेल के करीबी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई शहरों में सुबह से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी चल रही है। बताया जा रहा है कि ईडी की टीम ने रायपुर, भिलाई, दुर्ग, महासमुंद, रायगढ़ में आईएएस अफसर, चार्टेड एकाउंटेंट सहित नेताओं के यहां रेड मारी है। प्रदेश के कई बड़े अफसरों के ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। सुबह करीब 5 बजे से दर्जनभर अफसरों के ठिकानों की तलाशी ली जा रही है।

बताया जा रहा है कि हाल के समय में छत्तीसगढ़ में सबसे बड़ी छापेमारी है। करीब दर्जनभर ठिकानों पर एक साथ ईडी के अधिकारी छापेमारी कर रहे हैं। जिन अधिकारियों के आवासों पर छापेमारी की गई है, उनमें से

अधिकतर सीएम भूपेश बघेल के करीबी बताए जाते हैं। दुर्ग में सौम्या चौरसिया, रायपुर में सीए विजय मालू के घर रेड पड़ी है। मुख्यमंत्री की उप सचिव सौम्या चौरसिया के भिलाई निवास, रायपुर के देवेंद्र नगर में सीए विजय मालू के घर ईडी की रेड पड़ी है। माइनिंग हेड आईएएस जेपी मौर्या के रायपुर स्थित घर पर भी छापेमारी की जा रही है। महासमुंद में नेता अग्नि चंद्राकर के ठिकानों पर भी ईडी के अधिकारियों के पहुंचने की सूचना है। अनुपम नगर में सूर्यकांत तिवारी के घर भी रेड पड़ी है। पूरा मामला कोयले से जुड़ा होना बताया जा रहा है। इससे पहले कुछ नेताओं के घरों में आईटी की रेड पड़ी थी।

नहीं रह 'छेल्लो शो' के लीड एक्टर, ब्लड कैंसर ने ली 10 साल के राहुल कोली की जान

मुंबई। बी-टाउन इंडस्ट्री से हाल ही में एक दुख भरी खबर सामने आई है। खबर है ऑस्कर में जाने वाली गुजराती फिल्म 'छेल्लो शो' के लीड एक्टर राहुल कोली हमारे बीच नहीं रहे। राहुल के पिता के मुताबिक उन्हें बार-बार बुखार आ रहा था। इसके बाद ही उन्हें उल्टियां होने लगी थीं। फिल्म की रिलीज से कुछ दिन पहले ही उनके निधन से हर कोई दुखी है। राहुल के पिता रामू कोली ने बताया कि रविवार को उसने नाश्ता किया था और उसके बाद उसे बुखार आने लगा। उसे तीन बार खून की उल्टियां हुईं और फिर मेरा बच्चा नहीं रहा। हमारा परिवार टूट गया। लेकिन हम उसका विधिवत अंतिम संस्कार करने के बाद उसकी 'लास्ट फिल्म शो' जरूर देखेंगे जो कि 14 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

ब्लड कैंसर ने ली जान–ब्लड कैंसर यानी ल्यूकेमिया से पीड़ित होने के बाद राहुल अहमदाबाद के गुजरात कैंसर अनुसंधान संस्थान में पिछले चार महीने से इलाज करा

रहे थे। फिल्म की शूटिंग खत्म होने के 4 महीने बाद राहुल की बीमारी का पता चला था। शुरुआत में उन्हें हल्का बुखार आ रहा था लेकिन दवाइयों के बाद वह ठीक नहीं हो रहे थे।

रिलीज से 3 पहले दुनिया को कहा अलविदा -फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने 12 दिन पहले ही इस गुजराती फिल्म को 95वें अकादमी पुरस्कारों में भारत की ऑफिशियल एंट्री के रूप में चुना है।बता दें कि साल 2023 के ऑस्कर नॉमिनेशन की रेस में एसएस राजामौली की RRR, विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स, फहद फासिल की फिल्म मलयंकुंजू और साउथ एक्टर नानी की फिल्म श्याम सिंघा रॉय शामिल थी लेकिन बाजी गुजराती फिल्म छेल्लो शो मार ले गई। राहुल कोली फिल्म छेल्लो शो में लीड रोल में हैं। राहुल की आखिरी फिल्म तीन दिन बाद सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। लास्ट फिल्म शो (छेल्लो शो) गुजराती भाषा में 14 अक्टूबर 2022 को गुजरात और पूरे भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

आतंक पर प्रहार; पंजाब में 10 दिनों में 5 आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, 17 दहशतगर्द गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने पिछले 10 दिनों में 17 लोगों को गिरफ्तार कर 5 बड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इसके अलावा पुलिस के दलों ने 3 हथगोले और एक आईईडी भी बरामद की है। पुलिस महानिरीक्षक सुखचैन सिंह गिल ने बताया कि लखबीर सिंह उर्फ लांडा, हरविंदर सिंह उर्फ रिंडा और अर्श डल्ला जैसे गैंगस्टर से आतंकवादी बने हैं, जिनकी ओर से चलाए जा रहे आतंकी मॉड्यूल को पुलिस टीम ने भारी नुकसान पहुंचाया है। गिल ने बताया कि पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसी ISI समर्थित आतंकी मॉड्यूल के तीन सदस्यों को 1 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद एक मॉड्यूल का पंजाब पुलिस ने भंडाफोड़ किया। इस मॉड्यूल का संचालन कनाडा में रह रहा लखबीर और पाकिस्तान में रह रहा हरविंदर कर रहा था।

खालिस्तान टाइगर फोर्स के आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़

सुखचैन सिंह ने बताया कि ISI समर्थित खालिस्तान टाइगर फोर्स के आतंकी मॉड्यूल का भी भंडाफोड़ किया गया, जिसका संचालन कनाडा स्थित आतंकी और गैंगस्टर अर्शदीप कर रहा था। मॉड्यूल के 2 सदस्यों को चमकौर साहिब से गिरफ्तार किया

गया। इनसे पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने 4 अक्टूबर को ISI समर्थित नार्को-आतंकवाद मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। उसने इसके मुख्य सदस्य को गिरफ्तार कर लिया। आईजी ने बताया कि 9 अक्टूबर को खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया, जिसका संचालन जर्मनी में रह रहा गुरमीत सिंह उर्फ बग्गा कर रहा था।

जम्मू कश्मीर में डिपार्टमेंटल स्टोर पर मिलेगी बीयर, एलजी सिन्हा की मंजूरी; पूरी करनी होंगी ये शर्तें

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में डिपार्टमेंटल स्टोर और किराना दुकानों में बीयर बेची जा सकेगी। यहां की आबकारी नीति में कुछ बदलाव हुए हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता वाली प्रशासनिक परिषद ने शहरी क्षेत्रों में बीयर और अन्य रेडी टू ड्रिंक पेय बेचने की परमिशन दी। यह पहली बार है जब जम्मू-कश्मीर में डिपार्टमेंटल स्टोर में बीयर की बिक्री होगी। हालांकि इसमें कुछ शर्तें रखी गई हैं। केवल वे ही इस योजना का पात्र बन सकेंगे।

जम्मू कश्मीर में अब डिपार्टमेंटल स्टोर में बीयर की बोतलें नजर आने वाली हैं। इसके लिए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व वाली प्रशासनिक टीम ने केंद्र शासित प्रदेश की आबकारी नीति में कुछ बदलाव किए हैं।

क्या होंगी शर्तें

एक कमर्शियल परिसर में वे डिपार्टमेंटल स्टोर जो न्यूनतम 1,200 वर्ग फुट में फैले होंगे और जम्मू और श्रीनगर में कम से कम 5 करोड़ रुपये का वार्षिक कारोबार और अन्य शहरी क्षेत्रों में 2 करोड़ रुपये जैसी शर्तों को पूरा करते हैं, केवल वही इस योजना के तहत पात्र होंगे। एक अधिकारी ने कहा कि 10 करोड़ रुपये से अधिक का सालाना कारोबार करने वाले डिपार्टमेंटल स्टोर

अपने प्रत्येक स्टोर के लिए अलग-अलग लाइसेंस के लिए आवेदन भी कर सकेंगे। लाइसेंस के लिए आवेदन करने की तारीख से कम से कम 12 महीने पहले एक डिपार्टमेंटल स्टोर अस्तित्व में होना चाहिए।

झारखंड में हिंदू महिला से अफेयर की वजह से मुस्लिम शख्स की हत्या, इलाके में तनाव

हालांकि, यह शर्त 10 करोड़ रुपये से अधिक के सालाना कारोबार वाले डिपार्टमेंटल स्टोर चेन से संबंधित नए/हाल ही में खोले गए आउटलेट के मामले में लागू नहीं होगी। इसके अलावा, पात्र होने के लिए डिपार्टमेंटल स्टोर्स को इन श्रेणियों की कम से कम छह वस्तुओं की बिक्री भी करनी होगी। किराना, पैकिंग भोजन, कन्फेक्शनरी , बेकरी आइटम, अन्य प्रसाधन सामग्री, घरेलू सामान, बर्तन/रसोई के सामान, खेल सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और स्टेशनरी।

इन स्टोर्स को परमिशन नहीं–अधिकारियों ने आगे कहा कि पेट्रोल पंपों पर काम कर रहे डिपार्टमेंटल स्टोर्स के लिए लाइसेंस देने के लिए किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

कोलकाता में 2 समुदायों के बीच झड़प के बाद बढ़ा तनाव; मोमिनपुर में धारा 144 लागू, 41 लोग गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में दो समुदायों के बीच झड़प के बाद कोलकाता के मोमिनपुर क्षेत्र में धारा 144 लगा दी गई है। पुलिस की टीमें तैनात हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने इस मामले में 41 लोगों को गिरफ्तार किया है। झड़प में कई लोग घायल हो गए। 6 दुकानों में तोड़फोड़ की गई जिनमें से 2 में आग लगा दी गई। बताया जा रहा है कि भीड़ ने 6 कारों और बाइक्स को भी नुकसान पहुंचाया है। कुछ घरों में तोड़फोड़ और ईंट-पत्थर फेंके जाने की खबरें भी सामने आई हैं। हिंसा में 7 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं।

झड़प को लेकर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच वाकयुद्ध शुरू हो गया है। भाजपा का दावा है कि पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है, जिस पर सत्तारूढ़ दल ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। तृणमूल ने आरोप लगाया कि भाजपा राज्य का माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रही है।

झड़प को लेकर राजनीति गरमाई

प्रदेश भाजपा प्रमुख सुकांत मजूमदार ने क्षेत्र में जाने की कोशिश की लेकिन उन्हें उत्तर कोलकाता के चिन्ग्रिघाट इलाके में रोक लिया गया। इलाके में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत निषेधात्मक आदेश लागू होने के

चलते उनसे वापस जाने को कहा गया। सीनियर पुलिस अफसर ने कहा कि उन्हें समझाया गया कि वहां निषेधात्मक आदेश लागू हैं, लेकिन वह वहां जाने पर अड़े रहे। उन्होंने बताया, सुकांत मजूमदार को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें लालबाजार पुलिस मुख्यालय लाया गया। विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने ट्विटर पर कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राज्यपाल एल गणेशन को पत्र लिखा है। इसमें अपील की गई है कि बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति के हाथ से निकलने से पहले मोमीनपुर हिंसा और इकबालपुर थाने में तोड़फोड़ के मद्देनजर प्रभावित इलाके में केंद्रीय बलों की तत्काल तैनाती की जाए।

टीएमसी और भाजपा नेताओं में जुबानी जंग–भाजपा पर राज्य का माहौल खराब करने का आरोप लगाते हुए तृणमूल के वरिष्ठ नेता सौगत राय ने कहा कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने सभी जरूरी कदम उठाए। राय ने कहा, उपद्रवियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सुकांत मजूमदार वहां जाकर घृणा भरे भाषण देने के अलावा क्या करेंगे? भाजपा राज्य के माहौल को खराब करने की कोशिश कर रही है। भाजपा को हर घटना का राजनीतिकरण करना बंद करना चाहिए।

अधिकारी ने मजूमदार की गिरफ्तारी के खिलाफ भाजपा का विरोध दर्ज कराने के लिए पश्चिम बंगाल विधानसभा से राजभवन तक मार्च निकाला। अधिकारी ने कहा, हम अपना विरोध दर्ज कराने के लिए राज्यपाल के पास आए थे। मुख्य विपक्षी दल के प्रदेश अध्यक्ष के साथ व्यवहार करने का यह तरीका है? राज्य सरकार स्थिति को नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल रही है।

संपादकीय

विवाद में दवा

कुछ भारतीय दवा कंपनियों का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निशाने पर आना दुखद और चिंताजनक है। इसके तमाम पहलुओं पर गौर करने की जरूरत है, ताकि यथोचित सुधार संभव हो सके। सरकार ने जांच के आदेश दे दिए हैं, जिसका स्वागत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने गाम्बिया में ६० बच्चों की मौत की एक वजह के रूप में भारतीय कफ सिरप को कथित रूप से जिम्मेदार ठहराया है। दवा की यह नामी भारतीय कंपनी के निशाने पर आने से अफ्रीका, एशिया, पूर्वी यूरोप और मध्य पूर्व के देशों और रूस इत्यादि को होने वाली आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। मेडेन फार्मा कोई नई कंपनी नहीं है, तीस साल से भी ज्यादा समय से वह दवा उद्योग में सक्रिय है। दवा के अनुसंधान-विकास में इस कंपनी का नाम लिया जाता है, ऐसे में इसकी दवा का विवादित होना, पूरे भारतीय दवा उद्योग के लिए मायने रखता है। क्या केवल गाम्बिया में ही विवादित कप सिरप की आपूर्ति हुई है और बाकी किसी देश से कोई शिकायत नहीं आई है? हो सकता है, दवा की किसी खास खेप के साथ खराब गुणवत्ता वाली दवा गाम्बिया पहुंच गई हो। ऐसे में, विस्तृत जांच से कुछ पता चल सकता है। हर दवा की गुणवत्ता सुनिश्चित हो, ताकि बाकी दवाओं पर किसी को शक न हो।

जो दवा कंपनी निशाने पर आई है, उसे भी युद्ध स्तर पर अपनी गुणवत्ता साबित करने के उपक्रम करने चाहिए। यह कंपनी जीवन रक्षक दवाओं से लेकर एंटी-एलर्जी और एंटीबायोटिक्स तक, हर श्रेणी की दवा बनाती है। प्रश्न केवल कंपनी के सम्मान का नहीं, देश के सम्मान का भी है। ध्यान होगा कि कोरोना के समय जब दुनिया भारत की ओर उम्मीद के साथ देख रही थी, जब अमेरिकी राष्ट्रपति लगभग चेताते हुए भारत से दवा मांग रहे थे, तब भारत ने एक खास मुकाम हासिल किया था। अपनी विशाल आबादी को संभालने के साथ-साथ दुनिया के अनेक देशों में दवा और वैक्सीन की आपूर्ति करना कोई आसान काम नहीं था। अगर इस क्षेत्र में भारतीय दवाओं को बदनाम करने के लिए कोई तीसरा पक्ष सक्रिय हो, तो इसकी भी जांच युद्ध स्तर पर होनी चाहिए। भारत को बदनाम करने की इच्छा रखने वाले भी कम नहीं हैं।

खैर, अच्छी बात है कि विदेश से आई शिकायत के बाद दवा उद्योग और सरकार में हलचल हुई है। जांच के आदेश दे दिए गए हैं और यह बताया गया है कि २०१९-२१ के दौरान दवाओं के ४६२ नमूनों को मिलावटी या नकली घोषित किए जाने के बाद ३८४ लोगों को गिरफ्तार किया गया था। २०१९-२० में कुल ८१,३२९ दवा के नमूनों का परीक्षण किया गया था, जिनमें से २,४९७ नमूनों को मानक गुणवत्ता से कमतर और १९९ नमूनों को नकली प्रकृति का घोषित किया गया था। शुरुआती जांच के बाद सामने आई यह बात तो खास अचरज में डालती है कि गाम्बिया भेजी गई दवा की बिक्री भारत में नहीं होती है। क्या गाम्बिया भेजी जा रही दवा भारत में मंजूर नहीं है? क्या गाम्बिया जैसे देशों में दवा कंपनियों ने कम गुणवत्ता वाली दवाओं की आपूर्ति तेज कर दी है? जांच में किसी प्रकार की लीपापोती न हो, तो ही दवा क्षेत्र को स्थाई लाभ होगा। ऐसी तमाम कंपनियों को भारत और भारतीय उद्योगों की प्रतिष्ठा का ध्यान रखना चाहिए। किसी क्षेत्र में सम्मान बनाने के लिए वर्षों लगते हैं, लेकिन सम्मान गंवाने में ज्यादा समय नहीं लगता। भारत जैसे बड़े दवा निर्यातक को अपनी तमाम दवाओं की गुणवत्ता को फिर एक बार ढंग से परख लेना चाहिए।

जीवन में आरोग्य

गिरीश्वर मिश्र

9जीवेम शरद: शतम्" ! भारत में स्वस्थ और सुखी सौ साल की जिंदगी की आकांक्षा के साथ सक्रिय जीवन का संकल्प लेने का विधान बड़ा पुराना है। पूरी सृष्टि में मनुष्य अपनी कल्पना शक्ति और बुद्धि बल से सभी प्राणियों में उत्कृष्ट है। वह इस जीवन और जीवन के परिवेश को रचने की भी क्षमता रखता है। साहित्य,कला, स्थापत्य और ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में उसकी विराट उपलब्धियों को देखकर कोई भी चकित हो जाता है। यह सब तभी सम्भव है जब जीवन हो और वह भी आरोग्यमय हो। परंतु लोग स्वास्थ्य पर तब तक ध्यान नहीं देते जब तक कोई कठिनाई न आ जाए। दूसरों से तुलना करने और अपनी बेलगाम होती जरूरतों और महत्वाकांक्षाओं के बदौलत तरह-तरह की चिंताए कष्ट, तनाव और अवसाद से ग्रस्त होना आज आम बात हो गई है। मुश्किलों के आगे घुटने टेक कई लोग तो जीवन से ही निराश हो बैठते हैं। कुछ लोग इतने निराश हो जाते हैं कि उन्हें कुछ सूझता ही नहीं। ऐसे अंधेरे क्षणों में वे अपनी जान की परवाह नहीं करते और जीवन को ही सारी समस्याओं की जड़ मान बैठते हैं।

वे यह भूल जाते हैं कि वे इस जीवन के न स्वामी हैं, न निर्माता है और न यह याद रख पाते हैं कि जीवन कोई स्थिर, पूर्व निश्चित व्यवस्था नहीं है। उनको यह भी नहीं याद रहता उनका जीवन सिर्फ उन्हीं का नहीं है और भी जिंदगियां उस जीवन से जुड़ी हुई हैं। जीवन की सत्ता ही अकेले की उपलब्धि नहीं है। वह रिश्तों की परिणति होती हैं। जीवन इन्हीं रिश्तों और संबंधों से बनता और बिगड़ता है। अत: जीवन की पूरी संकल्पना को व्यक्ति केंद्रित बनाना कुतर्क है और निरापद तो है ही नहीं। पर जब आदमी ऐसे बुद्धि भ्रम से ग्रस्त होता है उसके आत्महत्या जैसे भीषण परिणाम होते हैं और सारी संभावनाओं का अंत हो जाता है।

वैसे हार मान बैठना और स्वयं को हानि पहुंचाना जैसा व्यवहार तर्कसम्मत-बौद्धिक (लॉजिकल-रैशनल) दृष्टि के खिलाफ जाता है। पर आज जो सामाजिक परिवर्तन हो रहे हैं उनके बीच मानसिक स्वास्थ्य की चुनौती भारत समेत पूरे विश्व में बढ़ रही है। इस स्थिति के व्यापक कारण अक्सर आर्थिक, पारिवारिक धार्मिक जीवन के ताने बाने, आदमी के विश्वासों और मान्यताओं में ढूंढे जाते हैं। आधुनिकीकरण और रिश्तों की टूटती कड़ियों के बीच जीवन की स्थापित व्यवस्थाएं प्राय: तहस-नहस होने लगती हैं। जब सामाजिक जुड़ाव और निकटता कमजोर पड़ने लगती है और सामाजिक नियमन की व्यवस्था विशृंखलित होने लगती है तो उससे उपजने वाला मानसिक-सामाजिक असंतुलन मानसिक अवास्थ्य को अंजाम देता है। आजकल अपनी क्षमता से ज्यादा कर्ज लेना, प्रतिस्पर्धा में पिछड़ना, वैवाहिक जीवन में नकारात्मक घटना होना और विफलताएं आदमी को निराश, अवसादग्रस्त बनाती हैं और खुद के बारे में हीन भावना पैदा करती हैं। ये सब आत्महत्या जैसी घटना को अंजाम देती हैं। तीव्र भावनात्मक पीड़ा के चलते शायद आदमी दुनिया और खुद दोनों से दूर भागना चाहता है। पीड़ा से आत्म नियमन बिखर जाता है या ढीला पड़ जाता है और तब व्यक्ति आत्महत्या की ओर कदम बढ़ाता है। विगत वर्षों में किसानों की आत्महत्या, प्रौढ़ों द्वारा पारिवारिक झगड़ों, वैमनस्य, असफलता,अकेलापन आदि के संदर्भ में आत्महत्या की घटनाओं में खूब वृद्धि हुई है। कोरोना की महामारी ने स्वास्थ्य की चुनौती को नया आयाम दिया है। गरीबी/दीवालियापन, प्रेम में विफलता, शारीरिक उत्पीड़न तथा घरेलू हिंसा भी मानसिक परेशानियों के खास कारण हैं।

राष्ट्रीय स्तर उचित स्वास्थ्य सुविधा और उपचार की, क्राइसिस सेंटर, हेल्पलाइन, नेटवर्क, जन शिक्षा के उपाय वरीयता के साथ उपलब्ध होने चाहिए। साथ ही परिवार के साथ जुड़ाव, समुदाय-सामाजिक समर्थन और धार्मिक विश्वास आदि के लिए सामुदायिक स्तर पर कदम उठाना होगा। यह भी जरूरी है कि मीडिया रिपोर्ट जिम्मेदारी के साथ हो और सकारात्मकता पर बल दिया जाए। विद्यालयों में भी स्वास्थ्य के लिए जागरण अभियान चले। अवसाद की रोकथाम के लिए मानसिक उपचार और परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। समाज और व्यक्ति दोनों ही स्तरों पर सक्रिय हस्तक्षेप से ही स्वस्थ भारत का स्वप्न पूरा हो सकेगा।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

जयंती-१२ अक्टूबर, १९१९- विशेष: राजमाता हैं भारत की अनुकरणीय क्षत्राणी

प्रहलाद भारती

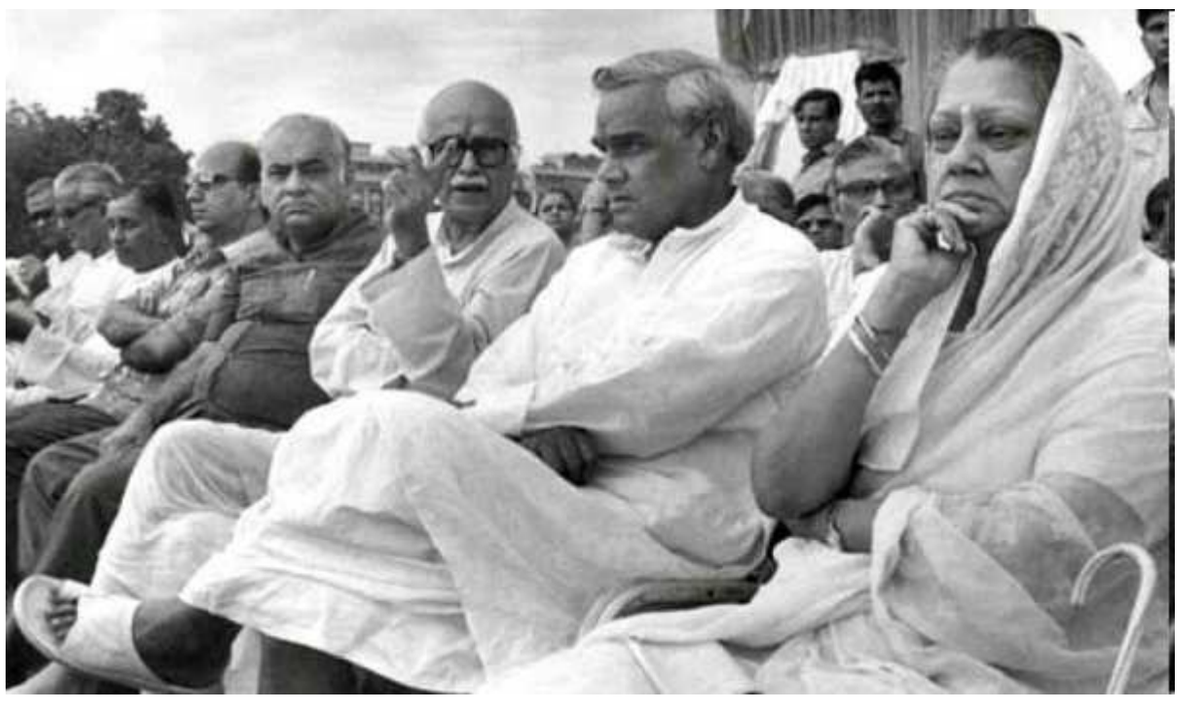

ग्वालियर के जयविलास पैलेस को लोग दुनियाभर से देखने आते हैं। यह शाही महल दुनिया के सबसे महंगे और आकर्षक महलों में एक है। लेकिन इस महल की महारानी राजमाता विजयाराजे सिंधिया को इसके कंगूरे, परकोटा, ऐतिहासिक झूमर, डायनिंग टेबल पर चलती खाने की ट्रेन ,घोड़े बग्गी,और शाही वैभव के दूसरे दस्तूर कतई प्रभावित नही करते थे। ऐसा लगता था कि राजमाता सिंधिया ने खुद को सांसारिक सुख सुविधाओं से काफी ऊपर उठा लिया था। १२ अक्टूबर, १९१९ को जन्मी राजमाता सिंधिया भारतीय जनता पार्टी की संस्थापक सदस्य थीं। उन्होंने मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के विस्तार के लिये अपने शाही प्रभाव और ताकत का खुलकर उपयोग किया। हमारे मौजूदा लोकतंत्र में उनके जैसे व्यक्तित्व बिरले ही हैं जिन्होंने सत्ता पद की अभिलाषा को कभी भी खुद की मौलिकता पर हावी नही होने दिया। आज राजमाता विजयाराजे सिंधिया की राजनीतिक विरासत भाजपा में उनके उत्तराधिकारी सहेज रहे हैं।

भाजपा में अटलजी, आडवाणी, जोशी, ठाकरे आदि की पीढ़ी के नेताओं ने विजयाराजे सिंधिया को जनसंघ, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मामलों में अपना सब कुछ दांव पर लगाते हुए देखा है। संभव है आज की पीढ़ी राजमाता को सिर्फ इतना भर जानती हो कि वे वसुन्धरा राजे, माधवराव सिंधिया, यशोधरा राजे की मां और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की दादी हैं। लेकिन राजमाता के व्यक्तित्व का कैनवास इससे भी बहुत बड़ा है। वे भारत मे जेन्डर केस स्टडी हैं। सच्चाई यह है कि राजमाता सिंधिया को उनके लोकतांत्रिक अवदान के अनुपात में अधिमान्यता देने के मामले में हम पिछड़ गए हैं। मंचों पर राजमाता के चित्र पर रस्मी माल्यार्पण या जयंती और पुण्यतिथि पर स्मरण से आगे उनके विचार प्रवाह और कृतित्व की कर्णीयता को समाज में सुस्थापित करने की भी आवश्यकता है। उन्हें त्याग और तपस्या की देवी की तरह पूजने के विचार शून्य उपक्रम से आगे सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में कृपणता निर्मित परिस्थितियों से निपटने में एक लोकतांत्रिक हथियार के रूप में स्वीकार करने की आवश्यकता अधिक है।

क्या राजमाता सिंधिया सिर्फ त्याग की और कतिपय वात्सल्य की मूर्ति थीं? जैसा उनके कुछ अनुयायियों द्वारा दावा किया जाता है। हकीकत यह है कि राजमाता को लेकर यह उनका सतही मूल्यांकन है। त्याग तो उन्होंने किया यह तथ्य है। वह चाहतीं तो १९६७ में ही मध्य प्रदेश की मुख्यमंत्री बन सकती थीं। १९७७ और १९८९ में उनके पास यही अवसर विनय की मुद्रा लिए खड़े थे। १९९६, १९९८, १९९९ में वह भी राष्ट्रपति भवन में मंत्री पद की शपथ ले सकती थीं। वह खुद भैरोसिंह शेखावत की जगह उपराष्ट्रपति हो सकती थीं। बीजेपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष तो जब चाहतीं तब बन सकती थीं। लेकिन विजयाराजे सिंधिया ने इन सभी अवसरों को दूसरों के लिये छोड़ दिया। यह उनके राजनीतिक त्याग की मिसाल है। वाकई आज की पीढ़ी में यह त्यागभाव असंभव है। इसलिये इस त्याग भाव को केवल पूजने से काम नही चलेगा। आवश्यकता आज इस बात की है कि उनके इस त्याग भाव को समाज के सामान्य राजनीतिक जनजीवन में स्थापित कैसे किया जाए ? इसे सोशल ट्रांसफॉर्मेशन की केस स्टडी बनाकर कैसे आगे बढ़ाया जाए? क्योंकि इसी भावना के लोप ने आज की सियासत को गंदा कर दिया है।

सवाल यह है कि राजमाता को क्या सिर्फ भाजपा की एक दिग्गज नेत्री के रूप याद किया जाना चाहिये ? असल में राजमाता सिंधिया जम्हूरियत में लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना, लोकशाही और राजशाही के बीच अद्भुत समन्यवक हैं। उन्हें शाही वैभव के बावजूद सत्ता से सदैव दूरी बनाने, पितृसत्ता को सफलतापूर्वक जमींदोज करने वाली शख्सियत के रूप में याद की जाना चाहिये। राजमाता सिर्फ दूसरे राजाओं की तरह अपनी रियासतों और सुख-सविधाओं को बचाने के लिये परकोटे से बाहर नहीं आई थीं। उनका अपना सामाजिक और राजनीतिक चिंतन था। इसलिये वे राजनीति में नेहरू की पहल पर कांग्रेस में शामिल तो हुईं लेकिन सत्ता की हनक के आगे जब राजमाता ने आम आदमी खासकर अपनी पुरानी रियासत में (छात्र आंदोलन) दमनभाव को देखा तो भारत की राजनीति के सबसे मजबूत मुख्यमंत्री डीपी मिश्रा से भिड़ने में लेश मात्र संकोच नही किया। क्या आज के नेता यह साहस कर सकते है?

भारत के संसदीय इतिहास में राजमाता प्रेरित ऑपरेशन डीपी मिश्रा सियासत में नारी शक्ति की स्वतंत्र ताकत का ही प्रदर्शन था। सियासत में संयम और शालीनता के गायब हो चुके अपरिहार्य तत्व की तालीम आज के सियासी लोग उनसे हासिल कर सकते हैं। डीपी मिश्रा की सर्वशक्तिमान सरकार को गिराने के बाबजूद उन्होंने अहंकार को अपने सियासी शिष्टाचार में कभी फटकने भी नही दिया। मृत्युपर्यंत उनका सम्मान भारत के सभी राजनीतिक दलों में अनुकरणीय हद तक बना रहा। इंदिरा गांधी की सत्ता को भी उन्होंने खुलेआम चुनौती दी।लेकिन उनका राजनीतिक विरोध सदैव नीतिगत रहा। डीपी मिश्रा ने पचमढ़ी के अधिवेशन में उन्हें अपमानित करने का प्रयास किया लेकिन उन्होंने इसका बदला पूरे संसदीय तरीके से लिया।

असल में राजमाता का मूल्यांकन सिर्फ राजनीतिक नजरिये से नहीं किया जा सकता है। वे शाही परकोटे में जनता की महारानी थीं जिनकी ताकत रियासतों की रवायतों से नहीं उनके सतत सम्पर्क और नए भारत में शाही लोगों को लोकतांत्रिक तरीके से विश्वास हासिल करने के भरोसे में टिकी थी। यही कारण है कि वे भारत मे रियासतों के लोकतंत्रीकरण की प्रतीक रही हैं। यही वजह है कि उनके परिवार का संसदीय दखल आज ७० साल बाद भी बरकरार है। उनकी राजनीतिक ताकत जिसे आज इस अर्थ में समझने की जरूरत है कि पद, प्रतिष्ठा और धन ही इस कार्य का अंतिम ध्येय नही है। उनका सांस्कृतिक पक्ष अपनी धार्मिक मान्यताओं और अस्मिता पर गर्व करना सिखाता है। उनका उदारमना व्यक्तित्व समाज के सबसे कमजोर और काबिल लोगों को अपनी प्रतिभा प्रकटीकरण का अवसर उपलब्ध कराता है। उमा भारती से लेकर मप्र की राजनीति में अनेक स्थापित चेहरे राजमाता की छत्रछाया में विकसित हुए हैं। ये क्षत्राणी भारत के लोकजीवन की एक केस स्टडी भी है। सवाल है कि क्या इस शाही शख्सियत के इन पक्षों को प्रतिष्ठित करने की आवश्यकता आज की राजनीति महसूस नही करती है?

(लेखक, पूर्व विधायक एवं मप्र पाठ्य पुस्तक निगम के उपाध्यक्ष हैं।)

(करवा चौथ/१३ अक्टूबर विशेष) जीवन साथी के पवित्र रिश्तों का पर्व

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत धर्म प्रधान और आस्थावान देश है। यहां साल के सभी दिनों का कोई न कोई महत्व होता। हर दिन पवित्र माना जाता है। भारत में करवा चौथ हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है। खासतौर पर यह राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब का प्रमुख पर्व है। यह कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह व्रत सुबह सूर्योदय से पहले करीब ४ बजे के बाद शुरू होकर रात में चन्द्रमा दर्शन के बाद सम्पूर्ण होता है। ग्रामीण स्त्रियों से लेकर आधुनिक महिलायें करवा चौथ का व्रत श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रखती हैं। यह व्रत हर साल महिलाएं अपने पतियों के लिए करती हैं। यह न केवल एक त्योहार है बल्कि यह पति-पत्नी (जीवनसाथी) के पवित्र रिश्तों का पर्व है।

कहने को तो करवा चौथ का त्योहार एक व्रत है लेकिन यह नारी शक्ति और उसकी क्षमताओं का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है, क्योंकि नारी अपने दृढ़ संकल्प से यमराज से भी अपने पति के प्राण ले आती है। आज के नए जमाने में भी हमारे देश में महिलायें हर वर्ष करवा चौथ का व्रत पहले की तरह पूरी निष्ठा व भावना से मनाती हैं। आधुनिक होते समाज में भी महिलायें अपने पति की दीर्घायु को लेकर सचेत रहती हैं। इसीलिये वो पति की लम्बी उम्र की कामना के साथ करवा चौथ का व्रत रखना नहीं भूलती हैं। पत्नी के अपने पति से कितने भी गिले-शिकवे रहे हों मगर करवा चौथ आते-आते सब भूलकर वो एकाग्र चित्त से अपने सुहाग की लम्बी उम्र की कामना से व्रत जरूर करती है। किसी भी आयु, जाति, वर्ण, संप्रदाय की सौभाग्यवती स्त्रियों को ही यह व्रत करने का अधिकार है। जो सुहागिन स्त्रियां अपने पति की आयु, स्वास्थ्य और सौभाग्य की कामना करती हैं, वे व्रत रखती हैं।

व्रत की विधि: बालू अथवा सफेद मिट्टी की वेदी पर शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा की स्थापना करें। मूर्ति के अभाव में सुपारी पर नाल बांधकर ईश्वर का स्मरण कर स्थापित करें। पश्चात यथाशक्ति देवों का पूजन करें। करवों में लड्डू का नैवेद्य रखकर उसे अर्पित करें। एक लोटा, एक वस्त्र व एक विशेष करवा दक्षिणा के रूप में अर्पित कर पूजन समापन करें। दिन में करवा चौथ व्रत की कथा पढ़ें अथवा सुनें।

यह भी मान्यता है: यह व्रत लगातार १२ अथवा १६ वर्ष तक किया जाता है। अवधि पूरी होने के पश्चात इस व्रत का उद्यापन किया जाता है। जो सुहागिन स्त्रियां आजीवन रखना चाहें वे जीवनभर इस व्रत को कर सकती हैं। इस व्रत के समान सौभाग्यदायक व्रत अन्य कोई दूसरा नहीं है। इसीलिये सुहागिन स्त्रियां अपने सुहाग की रक्षार्थ इस व्रत का सतत पालन करती हैं।

शास्त्रों में उल्लेख: शास्त्रों के अनुसार पति की दीर्घायु एवं अखण्ड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इस दिन भालचन्द्र गणेश जी की पूजा-अर्चना की जाती है। दिन भर उपवास रखकर रात में चन्द्रमा को अर्ध्य देने के उपरान्त ही भोजन करने का विधान है। वर्तमान समय में ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार में प्रचलित प्रथा के अनुसार ही इसे मनाती हैं। लेकिन अधिकतर स्त्रियां निराहार रहकर चन्द्रोदय की प्रतीक्षा करती हैं।

विधान: सायंकाल चंद्रमा के उदित हो जाने पर चंद्रमा का पूजन कर अर्ध्य प्रदान करें। इसके पश्चात ब्राह्मण, सुहागिन स्त्रियों व पति के माता-पिता को भोजन कराएं। भोजन के पश्चात ब्राह्मणों को यथाशक्ति दक्षिणा दें। अपनी सासूजी को वस्त्र व विशेष करवा भेंट कर आशीर्वाद लें। यदि वे न हों तो उनके तुल्य किसी अन्य स्त्री को भेंट करें। इसके पश्चात स्वयं व परिवार के अन्य सदस्य भोजन करें। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी अर्थात उस चतुर्थी की रात्रि को जिसमें चंद्रमा दिखाई देने वाला है। उस दिन प्रात: स्नान करके अपने पति की आयु, आरोग्य, सौभाग्य का संकल्प लेकर दिनभर निराहार रहें। उस दिन भगवान शिव-पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, गणेश एवं चंद्रमा का पूजन करें। शुद्ध घी में आटे को सेंककर उसमें शक्कर अथवा खांड मिलाकर नैवेद्य हेतु लड्डू बनाएं। काली मिट्टी में शक्कर की चासनी मिलाकर उस मिट्टी से तैयार किए गए मिट्टी के अथवा तांबे के बने हुए अपनी सामर्थ्य अनुसार १० अथवा १३ करवे रखें।

कथा: करवा चौथ व्रत करने वाली महिलाएं कथा सुनती हैं। एक बार पांडु पुत्र अर्जुन तपस्या करने नीलगिरी नामक पर्वत पर गए। इधर द्रोपदी बहुत परेशान थीं। उनकी कोई खबर न मिलने पर उन्होंने कृष्ण भगवान का ध्यान किया और अपनी चिंता व्यक्त की। कृष्ण भगवान ने कहा बहना इसी तरह का प्रश्न एक बार माता पार्वती ने शंकरजी से किया था। पूजन कर चंद्रमा को अर्ध्य देकर फिर भोजन ग्रहण किया जाता है। सोने, चांदी या मिट्टी के करवे का आपस में आदान-प्रदान किया जाता है। जो आपसी प्रेम-भाव को बढ़ाता है। पूजन करने के बाद महिलाएं अपने सास-ससुर एवं बड़ों को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद लेती हैं। तब शंकरजी ने माता पार्वती को करवा चौथ का व्रत बतलाया। इस व्रत को करने से स्त्रियां अपने सुहाग की रक्षा हर आने वाले संकट से वैसे ही कर सकती हैं जैसे एक ब्राह्मण ने की थी। प्राचीनकाल में एक ब्राह्मण था। उसके चार लड़के एवं एक गुणवती लड़की थी। एक बार लड़की मायके में थी। तब करवा चौथ का व्रत पड़ा। उसने व्रत को विधिपूर्वक किया। पूरे दिन निर्जला रही। कुछ खाया-पीया नहीं, पर उसके चारों भाई परेशान थे कि बहन को प्यास लगी होगी, भूख लगी होगी, पर बहन चंद्रोदय के बाद ही जल ग्रहण करेगी। भाइयों से न रहा गया उन्होंने शाम होते ही बहन को बनावटी चंद्रोदय दिखा दिया। एक भाई पीपल की पेड़ पर छलनी लेकर चढ़ गया और दीपक जलाकर छलनी से रोशनी उत्पन्न कर दी। तभी दूसरे भाई ने नीचे से बहन को आवाज दी देखो बहन, चंद्रमा निकल आया है। पूजन कर भोजन ग्रहण करो। बहन ने भोजन ग्रहण किया। भोजन ग्रहण करते ही उसके पति की मृत्यु हो गई। अब वह दुखी हो विलाप करने लगी। तभी वहां से रानी इंद्राणी निकल रही थीं। उनसे उसका दुख न देखा गया। ब्राह्मण कन्या ने उनके पैर पकड़ लिए और अपने दुख का कारण पूछा। तब इंद्राणी ने बताया कि तूने बिना चंद्र दर्शन किए करवा चौथ का व्रत तोड़ दिया इसलिए यह कष्ट मिला। अब तू वर्ष भर की चौथ का व्रत नियमपूर्वक करना तो तेरा पति जीवित हो जाएगा। उसने इंद्राणी के कहे अनुसार चौथ व्रत किया तो पुन: सौभाग्यवती हो गई। द्रोपदी ने यह व्रत किया और अर्जुन सकुशल मनोवांछित फल प्राप्त कर वापस लौट आए। कहते हैं इस प्रकार यदि कोई मनुष्य छल-कपट, अहंकार, लोभ, लालच को त्याग कर श्रद्धा और भक्तिभाव पूर्वक चतुर्थी का व्रत को पूर्ण करता है तो वह जीवन में सभी प्रकार के दुखों और क्लेश से मुक्त होता है और सुखमय जीवन व्यतीत करता है। देश में चौथ माता का सबसे अधिक ख्याति प्राप्त मंदिर राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा गांव में है। चौथ माता के नाम पर इस गांव का नाम बरवाड़ा से चौथ का बरवाड़ा पड़ गया है। यहां के चौथ माता मंदिर की स्थापना महाराजा भीमसिंह चौहान ने करवाई थी।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

नवीन ने महीने भर चलने वाले कार्तिक ब्रत को देखने वाले भक्तों के लिए ब्रुंदाबती भवन समर्पित किया

पुरी: मुख्यमंत्री नवीन पटनायक द्वारा इस तीर्थ शहर में चार एकड़ भूमि में फैले और ३९ करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एक सात मंजिला इमारत परिसर ठब्रुंदाबती भवनठ कार्तिक ब्रत का पालन करने वाले भक्तों के लिए समर्पित किया गया था। सोमवार को।

जैसे ही नवीन पटनायक न्ट्रीन पर दिखाई दिए, उनका ठहुलुहुलीठ से स्वागत किया गया, जबकि कुछ ने उन्हें भक्तों की सेवा के लिए आशीर्वाद दिया।

मुख्यमंत्री ने हबीसियालियों (महीने भर चलने वाले कार्तिक ब्रत को देखने वाले भक्त) को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने आपके बरात की व्यवस्था की है। इसने भक्तों से एक जादुई प्रतिक्रिया पैदा की और पूरा परिसर हुलुहुली की आवाज से गूंज उठा।

पटनायक ने प्रत्येक ठहबिस्यालीठ को शॉल भेंट करने की भी घोषणा की।

महीने भर चलने वाला कार्तिक बव्वा सोमवार से शुरू हो गया। हर साल कार्तिक ब्रत का पालन करने वाले भक्त सरकारी आवास में ठहरने के लिए उपयोग करते हैं।

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार भक्तों के लिए ब्रत के पालन के संबंध में उनका सारा खर्च सरकार वहन करेगी।

इनमें उनका टिफिन, महाप्रसाद भोजन, कार्तिक महात्म्य का पाठ करने के लिए नियुक्त पुजारी, उनके ठहरने के स्थान से श्री जगन्नाथ मंदिर और वापस जाने के लिए परिवहन, स्वास्थ्य देखभाल, कंबल के साथ आरामदायक बिस्तर, मच्छरदानी और उन्हें एस्कॉर्ट करने के लिए गाइड शामिल हैं।

पहले हबीसियालियों को टेंट हाउस में रखा जाता था। कोविड महामारी के कारण लगातार दो वर्षों तक उनका प्रवास बंद कर दिया गया था। इस साल बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रशासन से योजना में प्रवेश दिलाने के लिए गुहार लगाई है. आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि इस साल महामारी से पहले भक्तों की संख्या दो हजार दो सौ थी, लेकिन इसमें तीस प्रतिशत की वृद्धि हुई।

जिला प्रशासन की मुश्किलें बढ़ गई हैं क्योंकि सैकड़ों वृद्ध महिलाएं ब्रुंदाबती भवन में रहने और महीने भर चलने वाली बरात का पालन करने पहुंचीं।

चूंकि उनके पास कोई पूर्व पंजीकरण नहीं था, इसलिए अधिकारियों ने उन्हें स्वीकार करने से इनकार कर दिया। महिला भक्तों ने अधिकारियों को चुनौती देते हुए कहा कि नवीन पटनायक ने उनके लिए व्यवस्था की थी और जबरन भवन में प्रवेश किया था।

पंजीकरण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ठहमें ऑनलाइन पंजीकरण के बारे में पता नहीं है। न तो हमारे क्षेत्र में ऐसी कोई सुविधा है और न ही हमारे लिए पंजीकरण करने वाला कोई व्यक्ति है।ठ

बाद में कलेक्टर समर्थ वर्मा ने छह सौ से अधिक आवासियों को योजना में शामिल किया। उन्हें अब इमारत के बेसमेंट हॉल में रखा गया था।

स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और डॉक्टरों को उनकी जांच करने और उनके स्वास्थ्य कार्ड तैयार करने में कठिन समय लगता है। चौबीसों घंटे सेवा का निर्वहन करने के लिए करोड़ों स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूह के स्वयंसेवक, शिक्षक और जिला अधिकारी तैनात हैं।

इसके अलावा बिजली मिस्त्री, पीएचडी कर्मचारी, लिफ्ट ऑपरेटर, अग्निशमन सेवा के कर्मचारी, पुलिस कर्मी और सफाई कर्मचारी जरूरतों को पूरा करने के लिए तैनात हैं।

इस वर्ष हबीसियालियों को बृंदाबती भवन, बगला धर्मशाला, अक्षय पात्र भवन, बगरिया धर्मशाला और नगर पालिका कल्याण मंडप जैसे पक्के भवनों में रखा गया है।

इस योजना में तीन हजार पांच सौ से अधिक आवासियों को शामिल किया गया है। इससे पहले योजना में शामिल होने के इच्छुक श्रद्धालुओं को सलाह दी गई थी कि वे अपने-अपने जिलों के पर्यटन अधिकारियों के पास अपना आधार कार्ड, फोन नंबर या मेल आईडी के साथ पूरे पते के साथ पूरा टीकाकरण प्रमाण पत्र प्रस्तुत करके अपना नाम पंजीकृत करवाएं।

औपचारिक उद्घाटन समारोह में संस्कृति मंत्री अश्विन पात्रा, स्कूल और जन शिक्षा मंत्री समीर दास, खेल मंत्री तुसरकांति बेहरा और स्थानीय विधायक जयंत कुमार सारंगी के अलावा सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे.

१० अक्टूबर से शुरू हुए कार्तिक ब्रत का समापन ८ नवंबर को होगा।

धामनगर विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी सूर्यवंशी सूरज ने दाखिल किया नामांकन

भुवनेश्वर : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार सूर्यवंशी सूरज ने मंगलवार को धामनगर (एससी) विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया, जो अगले तीन नवंबर को होने वाला है।

यह सीट गत १९ सितंबर को भाजपा विधायक विष्णु सेठी के निधन के बाद खाली हुई थी। भाजपा ने धामनगर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए भाजपा के दिवंगत विधायक विष्णु सेठी के बेटे सूरज को पार्टी उम्मीदवार के रूप में पिछले रविवार को घोषित किया था।

सूरज ने नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समीर मोहंती, ओडिशा विधानसभा में विपक्ष के नेता जेएन मिश्रा, विपक्ष के मुख्य सचेतक मोहन मांझी, भाजपा के वरिष्ठ नेता मन मोहन सामल और कई भाजपा नेता मौजूद थे।

सत्तारूढ़ बीजद और कांग्रेस ने अभी तक उपचुनाव के लिए अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के नामों की घोषणा नहीं की है। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख अगले १४ अक्टूबर है।

मंदाकिनी कर OSCPCR अध्यक्ष नियुक्त

भुवनेश्वर: ओडिशा सरकार ने मंगलवार को मंदाकिनी कर को ओडिशा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया।

राज्य के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने एक ट्वीट में कर की ओएससीपीसीआर अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति की जानकारी दी।

OSCPCR के पूर्व सदस्य मंदाकिनी कर बीजू जनता दल के राज्य सचिव हैं।

आर.एस.पी. के ट्रेफिक एवं रॉ मटेरियल विभाग में कर्मचरी और ठेका श्रमिक अनुकरणीय योगदान के लिए सम्मानित

राउरकेला :हाल ही में सेल, राउरकेला इस्पात संयंत्र के ट्रेफिक एवं रॉ मटेरियल विभाग में आयोजित एक समारोह में संयंत्र के ९ कर्मचारियों और इन क्षेत्र में कार्यरत १३ ठेका श्रमिकों को सम्मानित किया गया। मुख्य महाप्रबंधक (ट्रेफिक) श्री अरुण कुमार बेहेरा ने पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर श्री हीरालाल महापात्र, महाप्रबंधक (टी. एंड आर.एम.) और विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

पुरस्कृतों में टी. एंड आर.एम. विभाग से श्री बी.के. एक्का, श्री सी.डी. महंत, श्री के. खड़िया, श्री के. पढ़ियारी, श्री बी. एक्का और ब्लास्ट फर्नेस-५ विभाग से श्री पी.के. स्वाईं, श्री बी. पृष्टि, श्री पी. तिग्गा और श्री बी. खाखा और मेस्सर्स लिफ्ट एंड शिफ्ट के १३ ठेका मजदूर शामिल थे।

टार्टअप ओडिशा ने टाई के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

भुवनेश्वर:स्टार्टअप ओडिशा ने मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव २०२२ के लिए संस्थागत भागीदार के रूप में शामिल होने के लिए टीआईई भुवनेश्वर के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

एमओयू का प्राथमिक उद्देश्य आगामी निवेशक कॉन्क्लेव के दौरान स्टार्टअप ओडिशा का समर्थन करने के लिए एक मजबूत और सार्थक गठबंधन बनाना है। मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव अगले ३० नवंबर से ४ दिसंबर तक शुरू होगा।

समझौता ज्ञापन में आपसी ताकत का लाभ उठाने के लिए सूचना, ज्ञान और एक कार्य योजना के सुचारू आदान-प्रदान की परिकल्पना की गई है।

स्टार्टअप ओडिशा मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव २०२२ के पूर्ण सत्र के दौरान वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं और दुनिया भर के उद्योग के नेताओं और निवेशकों के अपने विशाल वैश्विक नेटवर्क के लिए एक प्रवेश द्वार खोलने के लिए टीआईई भुवनेश्वर के नेटवर्क का लाभ उठाने की कोशिश करेगा।

इसके अलावा टीआईई भुवनेश्वर मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव से पहले उद्योग संघों, निवेशकों को स्टार्टअप ओडिशा के साथ हाथ मिलाने की सुविधा प्रदान करने जा रहा है।

स्टार्टअप ओडिशा और टीआईई भुवनेश्वर संयुक्त रूप से मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव २०२२ के दौरान इन्वेस्टर पिचिंग, मेंटर क्लिनिक, बी२बी मीटिंग आयोजित करेंगे।

५० शॉर्टलिस्टेड स्टार्टअप मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव के इनोवेशन जोन में प्रदर्शन करेंगे।

इस अवसर पर बोलते हुए कार्यकारी अध्यक्ष डॉ ओंकार राय ने कहा कि यह साझा उद्देश्यों वाले संगठनों के बीच सहयोग के एक नए अध्याय की शुरुआत करता है।

ओडिशा भाजपा महिला मोर्चा ने अर्चना नाग हनी ट्रैपिंग मामले में सीबीआई जांच की मांग की

भुवनेश्वर : ओडिशा भाजपा महिला मोर्चा ने अर्चना नाग हनी ट्रैपिंग और ब्लैकमेलिंग मामले की सीबीआई जांच की मांग की है।

भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष स्मृति पटनायक ने मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ बीजद मामले को दबाने की कोशिश कर रही है क्योंकि इस मामले में पार्टी के कई नेता और मंत्री शामिल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कई सालों से सत्ताधारी पार्टी के सीधे संरक्षण में प्रभावशाली लोगों को हनी ट्रैपिंग और ब्लैकमेल किया जा रहा है।

पुलिस ने अर्चना नाग (२८) को पिछले ६ अक्टूबर को प्रभावशाली लोगों को ब्लैकमेल करने और उनसे करोड़ों रुपये वसूलने के आरोप में गिरफ्तार किया था, जब एक ओडिया फिल्म निर्माता ने उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। पुलिस ने उसके आवास से उसका मोबाइल फोन, लैपटॉप, पेन ड्राइव और कंप्यूटर भी बरामद किया है।

फिल्म निर्माता ने अपनी प्राथमिकी में आरोप लगाया कि अर्चना ने एक लड़की के साथ उसकी अश्लील तस्वीरें प्रसारित करके उसका करियर और प्रतिष्ठा खराब करने की धमकी दी, अगर उसने उसे तीन करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि विभिन्न राजनीतिक दलों के कई राजनीतिक नेताओं, प्रभावशाली लोगों और नौकरशाहों पर इस मामले में शामिल होने का आरोप है।

उन्होंने सरकार से मांग की कि पुलिस द्वारा जब्त किए गए गैजेट्स से प्राप्त सभी बीजद नेताओं, मंत्रियों, पुलिस और नौकरशाहों की संलिप्तता के बारे में सभी जानकारी सार्वजनिक करें।

पटनायक ने बीजद जिला परिषद सदस्य धर्मेंद्र साहू की आत्महत्या में स्कूल और जन शिक्षा मंत्री समीर रंजन दास की कथित संलिप्तता की सीबीआई जांच की भी मांग की।

पुरी जिले के गोपा प्रखंड में जिला पंचायत जोन ११ का प्रतिनिधित्व करने वाले साहू ने पिछले २४ सितंबर को आत्महत्या कर ली थी।

उन्होंने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से दोनों मामलों की निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई को सौंपने को कहा।

सेल, राउरकेला इस्पात संयंत्र के ठेका श्रमिकों के लिए 'प्रयास' कार्यक्रम आयोजित

राउरकेला: २९ सितंबर को मानव संसाधन विकास केंद्र में सेल, राउरकेला इस्पात संयंत्र के ठेका श्रमिकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम 'प्रयास' का एक सत्र आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में संयंत्र परिसर में कार्यरत सभी २३ ठेका श्रमिकों ने भाग लिया। वरिष्ठ प्रबंधक (कार्मिक), श्री अविनाश ने विचार विमर्श सत्र को संचालित किया जहाँ उन्होंने लाभ, ईएसआई और भविष्य निधि आदि जैसे वैधानिक प्रावधानों से संबंधित ठेका श्रमिकों के विभिन्न संदेहों का स्पष्टीकरण दिया। सुरक्षा पर विशेष जोर दिया गया। व्यवहार आधारित सुरक्षा पर एक सत्र में उन्होंने कार्यस्थल पर सुरक्षित कार्य प्रथाओं और सुरक्षा से संबंधित भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के महत्व पर प्रकाश डाला। सहायक प्रबंधक (कार्मिक-परियोजना), श्री भरत मोहांतो ने प्रतिभागियों को अधिकारों, लाभों, जिम्मेदारियों और वेतन संरचना, बैंक भुगतान, वेतन पर्ची, ईएसआई और पीएफ कवरेज, चिकित्सा लाभ आदि जैसे मुद्दों पर जानकारी दी। प्रबंधक (कार्मिक - परियोजनाएँ), सुश्री संगीता एम सिंदूर, फिल्मों, वीडियो क्लिपिंग और कहानियों के माध्यम से एसए-८००० के विभिन्न प्रावधानों, जैसे बाल श्रम, बंधुआ मजदूर, स्वास्थ्य और सुरक्षित कार्य वातावरण, अधिकार, भेदभाव, काम की अवधि, सुरक्षा, मजदूरी आदि के प्रावधान पर विस्तार से बताया। उन्होंने समापन सत्र का भी संचालन किया, जबकि श्रम निरीक्षक (सीएलसी), श्री एस के लेंका और सीएलसी के श्री मनोज प्रधान ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का सञ्चालन किया।

विशेषत: 'प्रयास' आरएसपी द्वारा चलाया जा रहा एक कल्याणकारी संचार पहल है जो आरएसपी में काम करने वाले ठेका श्रमिकों के लिए आयोजित किया जाता है जिसमें मानकों और प्रावधानों को सरल और स्पष्ट तरीके से समझाया जाता है।

धोखाधड़ी मामले में कांग्रेस विधायक मोहम्मद मोकीम के लिए एचसी राहत

कटक: उड़ीसा उच्च न्यायालय ने सोमवार को कांग्रेस विधायक मोहम्मद मोकिम को जमानत दे दी, जिन्हें पहले एक सतर्कता अदालत ने ऋण धोखाधड़ी मामले में तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी।

कोर्ट ने जेल की सजा और जुर्माने को चुनौती देने वाली याचिका को स्वीकार करते हुए विधायक को जमानत लेने के लिए दो जमानतदारों के साथ एक लाख रुपये का जमानती मुचलका भरने को कहा। मोकिम के वकील पीतांबर आचार्य ने बताया कि अगली सुनवाई १३ अक्टूबर को होगी।

मोकिम जो मेट्रो बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं, ने एक विशेष सतर्कता अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए उड़ीसा उच्च न्यायालय का रुख किया था, जिसने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता को २२ साल पुराने धोखाधड़ी के मामले में तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी।

संबलपुर मंडल के नए मंडल रेल प्रबंधक

संबलपुर, ११/१०: श्री विनीत सिंह ने ११ अक्टूबर २०२२ को पूर्व तट रेलवे, संबलपुर के मंडल रेल प्रबंधक के रूप में पदभार ग्रहण किया है। मंडल रेल प्रबंधक के रूप में कार्यभार ग्रहण करने से पहले, वह नई दिल्ली में रेल टेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक थे।

वह १९९० बैच के मैकेनिकल इंजीनियर्स की भारतीय रेलवे सेवा के अधिकारी हैं। श्री विनीत सिंह फरवरी १९९२ में मैकेनिकल इंजीनियर्स की भारतीय रेल सेवा में शामिल हुए। उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग और गुरुग्राम के एमडीआई से पीजीडीबीएम में डिग्री हासिल की है। उन्होंने नई दिल्ली में निदेशक, कैरिज/आरडीएसओ, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर / पावर /दिल्ली, ग्रुप जीएम/ आईआरसीटीसी के रूप में रेलवे में विभिन्न पदों पर काम किया है। उन्होंने उत्तर मध्य रेलवे के झांसी रेलवे मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक के रूप में भी काम किया है।

ओडिशा: मो स्कूल अभिजन ने विकास के लिए ७६९.७० करोड़ रुपये मंजूर किए

भुवनेश्वर:मो स्कूल अभियान की कार्यकारी परिषद ने मंगलवार को ओडिशा में ३४६५ प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और उच्च विद्यालयों के विकास के लिए ७६९.७० करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी।

पिछले दो महीनों के भीतर, २०,३७० पूर्व छात्रों ने मो स्कूल अभियान के साथ हाथ मिलाया है और अपने अल्मा मेटर के विकास के लिए ११.४८ करोड़ रुपये का योगदान दिया है।

मो स्कूल अभियान को विभिन्न सीएसआर निधियों से २४८.२५ करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है। दाताओं के योगदान, सीएसआर फंड और राज्य सरकार से दो बार मिलान अनुदान के साथ, कार्यकारी परिषद ने ७६९.७० करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

अब तक ७.०५ लाख पूर्व छात्रों को मो स्कूल अभियान से जोड़ा जा चुका है।

हाई स्कूल ट्रांसफॉर्मेशन प्रोग्राम के पहले और दूसरे चरण में परिवर्तित स्कूलों को सभी सुविधाएं देने के लिए ९० दिनों का विशेष अभियान 'इन्फ्रास्ट्रक्चर स्थिरीकरण कार्यक्रम' शुरू किया गया है।

स्कूलों को १० नवंबर २०२२ तक प्रगति रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया गया है।

कार्यकारी परिषद के निर्णय के अनुसार, स्वयं सहायता समूहों को हाई स्कूल परिवर्तन कार्यक्रम के तहत सृजित संपत्ति के नियमित रखरखाव के लिए सेवा प्रदाताओं के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा।

३०० हाई स्कूलों के लिए पायलट 'एस्पिरेशनल प्रोग्राम' के तहत स्कूल इकोसिस्टम में नवोन्मेष लाने के लिए कोडिंग, २१वीं सदी के कौशल, परियोजना आधारित शिक्षा और स्कूल उत्कृष्टता कार्यक्रमों पर जोर दिया जाएगा।

डायट द्वारा ओडिशा विज्ञान अकादमी के सहयोग से रूपांतरित विद्यालयों के शिक्षकों को व्यावहारिक विज्ञान के संचालन का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

राज्य के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों को बदलने के नेक उद्देश्य से स्थापित, मो स्कूल अभियान १४ नवंबर, २०१७ को शुरू किया गया था।

कार्यक्रम के शुभारंभ के पांचवे वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राज्य एवं जिला स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने के लिए मो स्कूल की कार्यकारी परिषद में निर्णय लिया गया है।

जिला कलेक्टर और एमओ स्कूल जिला स्तरीय समितियां पूर्व छात्र जुड़ाव अभियान चलाएंगे।

५ साल के उत्सव को और भी अधिक आनंदमय बनाने के लिए, मो स्कूल राज्य स्तरीय बाल महोत्सव 'सुरभि' में कार्यक्रम आयोजित करेगा, जिसमें छात्र 'मीट द पर्सनैलिटी सेशन' के माध्यम से जीवन के विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ बातचीत करने का अवसर प्राप्त करेंगे।

विचाराधीन कैदी की रायरंगपुर अस्पताल में मौत

रायरंगपुर : रायरंगपुर उप जेल के एक विचाराधीन कैदी (यूटीपी) की मंगलवार को रायरंगपुर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गयी।मृतक की पहचान चैतन्य बेहरा के रूप में हुई है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, साल २०१७ में रेप केस के आरोप में गिरफ्तार बेहरा अगस्त में रायरंगपुर सब-जेल में बीमार पड़ गई थी.

इसके बाद हालत बिगड़ने पर उन्हें रायरंगपुर अस्पताल ले जाया गया। मंगलवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

हालांकि, उनकी मौत के असली कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। आगे की जांच की जा रही है।

एक उच्च शिक्षित लड़की ने सैनिटरी नैपकिन बनाने के लिए नौकरी छोड़ दी

अक्षय राउत द्वारा

जाजपुर; उच्च शिक्षित लड़की बैसाखी जेना अच्छी नौकरी और ग्लैमरस लाइफस्टाइल छोड़कर अपने गांव लौट आई है। वह ग्रामीण इलाकों में रहने वाली महिलाओं के लिए सैनिटरी नैपकिन बना रही हैं। महिलाएं मासिक धर्म के आसपास के कलंक को दूर करने लगी हैं। वे सैनिटरी नैपकिन के उपयोग के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ा रहे हैं। चंडीखोल क्षेत्र की एक लड़की बैसाखी जेना खेल शिक्षक बासुदेव जेना और विजयलक्ष्मी जेना की इकलौती बेटी है। गाँव के स्कूल में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद, वह बंगाल के लिए रवाना हो गई। वहां उन्होंने वेल्लोर विश्वविद्यालय से बायोटेक में एमएससी किया। बाद में वह बैंगलोर में एक कंपनी में काम कर रही थी। लेकिन उसे नौकरी में कोई दिलचस्पी नहीं थी और वह लगातार सोच रही थी कि वह कैसे आत्मनिर्भर बन सकती है। और फिर बैसाखी घर लौट आई। घर में रहते हुए उसने भविष्य के बारे में बहुत सोचा। बहुत विचार-विमर्श के बाद, उसने सैनिटरी नैपकिन व्यवसाय शुरू करने का

फैसला किया। बैसाखी ने ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं को सस्ते सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराने के लिए 'फ्लोरा' कंपनी की स्थापना की। इसके अलावा, वह सैनिटरी नैपकिन के उपयोग और इसके लाभों के बारे में महिलाओं में जागरूकता पैदा कर रही हैं। बैसाखी ने कहा। ठमैंने तीन साल काम किया। लेकिन मैं अपनी नौकरी से संतुष्ट नहीं था। इसलिए मैं गांव वापस आया और एक नई सैनिटरी नैपकिन कंपनी 'फ्लोरा' शुरू की। महिलाएं मासिक धर्म के बारे में ज्यादा बात नहीं करती हैं। उन्हें इसके बारे में बात करना बुरा लगता है। महिलाओं को पता होना चाहिए कि मासिक धर्म उनके शरीर में एक नियमित प्रक्रिया है, अन्य महिलाओं के लिए बैसाखी प्रेरणा, सामाजिक कार्यकर्ता रचिता मिश्रा ने कहा।

सार समाचार

विभिन्न शिकायतों के बाद केरल भाजपा के प्रवक्ता संदीप जी वेरियद को पद से हटाया गया

कोट्टयम। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई ने अपने प्रवक्ता संदीप जी वेरियर को पद से हटा दिया है। प्रदेश पार्टी अध्यक्ष के सुरेंद्रन ने सोमवार को बताया कि पार्टी ने वेरियर को (प्रवक्ता पद से) हटा दिया है और प्रदेश नेतृत्व की बैठक में इस आशय का निर्णय लिया गया। इस कार्रवाई से पहले कई पार्टी कार्यकर्ताओं ने वेरियर पर आरोप लगाये थे। ऐसी खबर आयी कि पलक्कड़, मल्लपुरम और कोझिकोड जिलों के वरिष्ठ नेताओं नेताओं ने वेरियर पर आरोप लगाया है कि उन्होंने पार्टी के नाम पर लोगों से पैसे वसूले हैं। हालांकि यहां मीडिया से बातचीत में सुरेंद्रन ने कहा कि यह कार्रवाई पार्टी का अंदरूनी फैसला है और कारण सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। सोमवार को भाजपा कोर कमेटी और प्रदेश नेतृत्व की बैठक कोट्टयम में हुई थी। इन बैठकों में केरल भाजपा मामलों के प्रभारी प्रकाश जावडेकर , राधा मोहन अग्रवाल, कुम्मनम राजशेखरन, ओ राजगोपाल और पी के कृष्णदास ने हिस्सा लिया था।

उपहार सिनेमा अग्निकांड: अदालत ने सुशील अंसल की याचिका पर पुलिस से जवाब मांगा

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 1997 के उपहार सिनेमा अग्निकांड में सबूतों से छेड़छाड़ को लेकर रियल एस्टेट कारोबारी सुशील और गोपाल अंसल की दोषसिद्धि एवं सजा रद्द करने की उनकी याचिका पर मंगलवार को शहर की पुलिस से जवाब मांगा। सुशील अंसल ने 13 जून 1997 को हुए अग्निकांड से जुड़े इस मामले में अपनी कैद की सजा पहले ही पूरी कर ली है। इस घटना में 59 लोगों की मौत हो गयी थी। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने 83 वर्षीय सुशील अंसल की याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया और मामले पर अगली सुनवाई के लिए 13 दिसंबर की तारीख तय की है। इस बीच, उच्च न्यायालय ने अंसल के तत्कालीन कर्मचारी पी पी बत्रा के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है क्योंकि सबूतों से छेड़छाड़ के मामले में दोषियों की सजा बढ़ाए जाने की पीड़ितों की याचिका पर सुनवाई के दौरान न तो वह और न ही उनका वकील अदालत में पेश हुआ। उच्च न्यायालय दो अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। एक याचिका सुशील अंसल ने अपनी दोषसिद्धि और सजा को चुनौती देते हुए दायर की है, जबकि दूसरी याचिका सबूतों से छेड़छाड़ के मामले में दोषियों को सुनाई गई सजा की अवधि बढ़ाए जाने को लेकर है। यह दूसरी याचिका 'एसोसिएशन ऑफ विक्टिम्स ऑफ उपहार ट्रेजेडी' (एवीयूटी) ने दायर की थी।

मुंबई पुलिस ने किया दाऊद गिरोह के 5 और गुर्ग को गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस के क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटोर्शन सेल ने दाऊद गिरोह के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है. मुंबई में दाऊद गिरोह के 5 सक्रिय सदस्य को जांच एजेंसियों के साथ मिलकर मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है. खबर है कि बीते शाम जबरन वसूली मामले में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के गिरोह से जुड़े 5 लोगों को गिरफ्तार किया है. सूत्रों के मुताबिक रियाज भाटी और सलीम फ्रूट की ओर से जान से मारने की धमकी मिलने के बाद मुंबई के वर्सोवा में रहने वाले एक कारोबारी ने पुलिस से शिकायत की थी. इसके बाद इन पांचों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया. सूत्रों के मुताबिक दाऊद के दोनों सदस्यों ने कारोबारी से रोल रॉयस कार की मांग की थी. गिरफ्तार 5 आरोपियों के नाम अजय गोसारिया, फिरोज चमड़ा, समीर खान, अमजद रेडकर और पापा पठाण है.

पिटाई से छात्र की मौत के मामले में आरोपी अध्यापक को नोएडा पुलिस ने हिरासत में लिया

नोएडा (उप्र)। बादलपुर थाना क्षेत्र के गांव बंबावड़ में स्थित एक स्कूल में छात्र की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने मंगलवार को आरोपी अध्यापक को हिरासत में ले लिया है। पुलिस आयुक्त आलोक सिंह के प्रवक्ता ने बताया कि बीते शुक्रवार को कैप्टन सांवरिया पब्लिक स्कूल के छात्रों का टेस्ट लिया गया था। टेस्ट में अच्छे नंबर नहीं आने पर छात्र प्रिंस (12) की अध्यापक सोबरन ने डंडे से खूब पिटाई की थी। छात्र को गंभीर हालत में दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, जहां उपचार के दौरान नौ अक्टूबर को उसकी मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि प्रिंस के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और मंगलवार दोपहर को पुलिस ने आरोपी अध्यापक को हिरासत में लिया।

आंध्र प्रदेश में 4 अलग-अलग स्थानों से बरामद किया गया 400 किग्रा गधे का मांस, 7 लोग गिरफ्तार

अमरावती । आंध्र प्रदेश पुलिस ने बापटला शहर में 4 अलग-अलग स्थानों से 400 किलोग्राम गधे का मांस जब्त किया है। इतनी बड़ी मात्रा में पकड़ा गया गधे का मांस देश में अपनी तरह की सबसे बड़ी जब्ती मानी जा रही है। 400 किलोग्राम गधे का मांस जब्त करने के साथ ही पुलिस ने मामले में 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। छापेमारी में पुलिस की मदद करने वाले वन्यजीव कार्यकर्ताओं ने कहा कि आंध्र प्रदेश में गधों को मारने की प्रथा कई साल पुरानी है। आरोपी मांस को 600 रुपए किलो बेच रहे थे। आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में व्यापक मान्यता है कि गधे का मांस पीठ दर्द और अस्थमा को ठीक कर सकता है। गधे का यह मीट व्यापक रूप से प्रकाशम, कृष्णा, पश्चिम गोदावरी और गुंटूर जिलों में बेचा और खाया जाता है। भारत में गधे को मारे जाने या मीट बेचने पर पकड़े जाने पर सजा का प्रावधान है। भारतीय दंड संहिता की धारा 429 के तहत गधों के वध पर प्रतिबंध है जिसमें दंड के रूप में पांच साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। ऐसे मामलों में पशु क्रूरता कानून के तहत भी कार्यवाई की जाती है। बरामदगी ऐसे समय हुई है, जब देश गधों की आबादी में भारी गिरावट दर्ज की गई है। इसके अलावा, खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के अनुसार गधे के मांस का सेवन अवैध है। 2019 की पशुधन गणना के अनुसार भारत में गधों की आबादी घटकर 12 लाख हो गई, जो 2012 में 32 लाख हुआ करती थी। गिरावट का एक बड़ा कारण चीन में गधे की खाल की मांग को भी माना जाता है।

पहली पत्नी और बच्चों की अच्छी तरह देखभाल नहीं करने वाले मुस्लिम को दूसरी शादी का अधिकार नहीं: हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में कहा है कि इस्लामिक कानून एक पत्नी के रहते मुस्लिम व्यक्ति को दूसरी शादी करने का अधिकार देता है, लेकिन उसे पहली पत्नी की मर्जी के खिलाफ कोर्ट से साथ रहने के लिए बाध्य करने का आदेश पाने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने कहा पत्नी की सहमति के बगैर दूसरी शादी करना पहली पत्नी के साथ क्रूरता है। कोर्ट यदि पहली पत्नी की मर्जी के खिलाफ पति के साथ रहने को बाध्य करती है, तो यह महिला के गरिमामय जीवन व व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन है। इस दौरान कोर्ट ने कुरान की सूरा 4 आयत 3 के हवाले से कहा कि यदि मुस्लिम अपनी पत्नी व बच्चों की सही देखभाल करने में सक्षम नहीं है, तो उसे दूसरी शादी करने की इजाजत नहीं होगी। कोर्ट ने परिवार अदालत संतकबीर नगर द्वारा पहली पत्नी हमीदुन्निशा उर्फ शफीकुनिशा को पति के साथ उसकी मर्जी के खिलाफ रहने के लिए आदेश देने से इनकार करने को सही करार दिया और फैसले व डिक्री को इस्लामिक कानून के खिलाफ मानते हुए रद्द करने की मांग में दाखिल प्रथम अपील खारिज कर दी।

यह फैसला जस्टिस एसपी केसरवानी और जस्टिस राजेन्द्र कुमार की खंडपीठ ने अजीजुर्रहमान की अपील पर दिया। कोर्ट ने कहा कि जिस समाज में महिला का सम्मान नहीं, उसे सभ्य समाज नहीं कहा जा सकता। महिलाओं का सम्मान करने वाले देश को ही सभ्य देश कहा जा सकता है। कोर्ट ने कहा मुसलमानों को स्वयं ही एक पत्नी के रहते दूसरी से शादी करने से बचना चाहिए। कोर्ट ने कहा एक पत्नी के साथ न्याय न कर पाने वाले मुस्लिम को दूसरी शादी करने की स्वयं कुरान ही इजाजत नहीं देता। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के तमाम फैसलों का हवाला दिया और कहा कि संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत प्रत्येक नागरिक को गरिमामय जीवन व व्यक्तिगत स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार प्राप्त है। अनुच्छेद-14 सभी को समानता का अधिकार देता है और अनुच्छेद-15(2) लिंग आदि के आधार पर भेदभाव करने पर रोक लगाता है। कोर्ट ने कहा कि कोई भी व्यक्तिगत कानून या चलन संवैधानिक अधिकारों को उल्लंघन नहीं कर सकता। कोर्ट ने कहा पर्सनल लॉ के नाम पर नागरिकों को संवैधानिक मूल अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता।

डॉक्टर बनने के लिए अंग्रेजी जरूरी नहीं, हिंदी में भी कर सकेंगे एमबीबीएस की पढ़ाई

मेडिकल कोर्स लॉन्च करेंगे अमित शाह

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह 16 अक्टूबर को मध्यप्रदेश के दौरे पर जा रहे हैं। इस दौरान वह भोपाल में एमबीबीएस प्रथम वर्ष की हिंदी में अनुवादित पुस्तकों का विमोचन करेंगे। इसका मतलब साफ है कि अब मेडिकल की पढ़ाई भी हिंदी में हो सकेगी। मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्रों को बड़ी सौगात दे रही है। यह उन छात्रों के लिए बड़ी बात है जो हिंदी में अपनी पढ़ाई को जारी रखना चाहते हैं। अमित शाह के विमोचन के बाद ही मध्यप्रदेश में हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई शुरू हो जाएगी। पिछले कई दिनों से मध्य प्रदेश की सरकार लगातार इस पर काम कर रही है। देश में यह पहली बार होगा जब किसी राज्य में एमबीबीएस को लेकर हिंदी में पढ़ाई हो रही होगी।

जिन छात्रों को मेडिकल की पढ़ाई करनी होती है, उनके लिए यह धारणा आम है कि अंग्रेजी आनी चाहिए। लेकिन इस विमोचन के बाद से यह धारणा बदल सकती है। अब मेडिकल की पढ़ाई सिर्फ इंग्लिश में नहीं, हिंदी में भी हो सकती है। कोई भी छात्र जो हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई करना चाहते हैं। उन्हें इस कदम से लाभ मिल सकता है। खुद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इसे क्रांतिकारी कदम बता रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि मध्य प्रदेश में इससे एक नई शुरुआत होगी। इसको लेकर भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में एक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। खुद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तमाम तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक अमित शाह एनाटॉमी, बायोकेमिस्ट्री और फिजियोलॉजी पर हिंदी में मेडिकल की किताबें जारी करेंगे।

शिवराज सिंह चौहान ने यह भी कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक संकल्प है कि शिक्षा का माध्यम मातृभाषा होना चाहिए और इसी वजह से हम इस पर आगे बढ़ रहे हैं। हम उन लोगों के जीवन में नया अभियान लाना चाहते हैं जो अंग्रेजी नहीं जानते हैं। शिवराज ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 16 अक्टूबर को मध्यप्रदेश आ रहे हैं। हमारा मध्यप्रदेश देश में पहला राज्य होगा, जहां मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में किए जाने की शुरुआत होगी।

ज्ञानवापी मामला: कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग पर फैसला 14 अक्टूबर को

वाराणसी (उर प्रदेश)। (एजेंसी)।

ज्ञानवापी परिसर के वीडियोग्राफी-सर्वे के दौरान ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाने से मिले कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग और वैज्ञानिक परीक्षण की मांग से जुड़े मामले पर वाराणसी की जिला अदालत ने मंगलवार को फैसला 14 अक्टूबर तक सुरक्षित रख लिया है। जिला शासकीय अधिवक्ता महेंद्र प्रताप पांडेय ने बताया कि कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग और वैज्ञानिक परीक्षण के मामले में बहस पूरी हो गयी है। अदालत सुनवाई की अगली तारीख 14 अक्टूबर को इस पर अपना आदेश सुनाएगी। उन्होंने बताया कि ज्ञानवापी परिसर में मिले कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग और वैज्ञानिक परीक्षण को लेकर सात अक्टूबर को हिन्दू पक्ष ने अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करते हुए दावा किया था कि वजूखाने में मिला शिवलिंग उनके वाद का हिस्सा है। हिन्दू पक्ष के स्पष्टीकरण पर मुस्लिम पक्ष के अधिवक्ताओं ने अपना जवाब प्रस्तुत कर दिया है। मुस्लिम पक्ष के अधिवक्ता मुमताज अहमद ने बताया कि उन्होंने अदालत से कहा है कि परिसर में मिली आकृति की कार्बन डेटिंग नहीं करायी जा सकती। उन्होंने कहा, ''दूसरा, हिन्दू पक्ष तोड़-फोड़ की बात कर रहा है, जिससे आकृति नष्ट हो सकती है। जबकि उच्चतम न्यायालय ने उसे संरक्षित रखने का आदेश दिया है। अगर कार्बन डेटिंग के नाम पर आकृति में तोड़ फोड़ की जाती है तो यह उच्चतम न्यायालय के आदेश की अवहेलना होगी।'' गौरतलब है कि सिविल जज सीनियर डिवीजन के आदेश पर पिछली मई में हुई ज्ञानवापी परिसर की वीडियोग्राफी सर्वे के दौरान ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाने में एक लम्बा और ऊपर से गोल पत्थर मिला था। हिन्दू पक्ष का दावा है कि वह शिवलिंग है, जबकि मस्जिद इंतजामिया कमेटी का कहना है कि वह शिवलिंग नहीं बल्कि फौव्वारे का हिस्सा है। उसकी दलील है कि मुगलकाल में बनी अनेक अन्य ऐसी मस्जिदें और दीगर इमारतें हैं जिनके वजूखाने में इसी तरह के फौव्वारे लगे हैं। बहरहाल, हिन्दू पक्ष ने जिला अदालत से कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग जांच कराने की मांग की थी, ताकि यह पता लग सके कि वह पत्थर कितना पुराना है।

मेरा और खड़गे जी का गांधी परिवार समर्थन कर रहा: थरूर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस के अध्यक्ष पद के दावेदार शशि थरूर ने कहा कि गांधी परिवार चुनाव में उनका और दूसरे उम्मीदवार मल्लिकार्जुन खड़गे का समर्थन कर रहा है। इतना ही नहीं दोनों में से किसी के प्रति पक्षपातपूर्ण रवैया नहीं अपना रहा है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात के बाद थरूर ने कहा कि उनका उद्देश्य 2024 के चुनाव से पहले कांग्रेस को मजबूत बनाना है।

उन्होंने कहा, गांधी परिवार मुझे और खड़गे जी को अपना आशीर्वाद दे रहा है। क्योंकि, हम कांग्रेस को मजबूत करने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं।'' थरूर ने उन अटकलों को खारिज कर दिया कि खड़गे और उनके बीच चुनावी मुकाबला एक ''आधिकारिक उम्मीदवार (खड़गे) और एक ''अनाधिकारिक उम्मीदवार' (थरूर) के बीच है, जैसा कि कुछ नेता दावा कर रहे हैं। थरूर ने कहा, ''गांधी परिवार के साथ संवाद के बाद मैं आश्वस्त हुआ कि उनकी तरफ से मेरे या खड़गे के प्रति कोई पक्षपातपूर्ण रवैया नहीं है।''

उन्होंने कहा कि भाजपा को विपक्ष का हिस्सा बनने की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए क्योंकि 2024 के चुनाव के बाद उन्हें वहीं बैठना होगा। थरूर ने कहा, हमारी पार्टी को बदलाव की जरूरत है और मेरा मानना है कि मैं वह व्यक्ति हूं, जो बदलाव का उत्प्रेरक बनूंगा।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश को ठीक से ढंग से चलाया है और पार्टी में अनुभवी लोग हैं।

थरूर ने कहा, हमें मतदाताओं के भरोसे को जीतने की जरूरत है। इस मौके पर महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले मौजूद नहीं थे। जब पटोले की अनुपस्थिति के बारे में पूछा गया तब थरूर ने कहा, मेरी पटोले से बातचीत हुई थी और उन्होंने मुझे पूर्व निर्धारित कार्यक्रम की जानकारी दी। मैं इसकी शिकायत बिल्कुल नहीं कर रहा हूं। कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय तिलक भवन में ऑल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस के सदस्यों ने थरूर का स्वागत किया। इस मौके पर पूर्व लोकसभा सदस्य प्रिया दत्त और पूर्व राज्य सभा सदस्य बालचंद्र मुंगेकर भी मौजूद थे।

बांग्लादेश के 1,800 लोक सेवकों को 2025 तक प्रशिक्षित किया जाएगा: केंद्र

नयी दिल्ली। भारत 2025 तक बांग्लादेश के 1,800 लोक सेवकों को प्रशिक्षित करेगा। कार्मिक मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी। मसूरी में राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (एनसीजीजी) में मंगलवार को बांग्लादेश के लोक सेवकों के लिए 'फील्ड एडमिनिस्ट्रेशन' में दो सप्ताह के 53वें क्षमता निर्माण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। बयान में कहा गया है कि 2019 से पहले एनसीजीजी में बांग्लादेश के 1,500 लोक सेवकों को प्रशिक्षण दिया गया। इसमें कहा गया है, ''पहले चरण के सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद बांग्लादेश के 1,800 और लोक सेवकों की क्षमता निर्माण का जिम्मा उठाया जाएगा, जो 2025 तक पूरा करने की योजना है।'' यह देश में इकलौता संस्थान है जिसने सहायक आयुक्त, उप-जिला निर्भय अधिकारी/उपमंडलीय दंडाधिकारी (एसडीएम) और अतिरिक्त उपायुक्त जैसे बांग्लादेश के 1,727 फील्ड स्तरीय अधिकारियों को प्रशिक्षित किया है। भारत सरकार ने देश के सर्वोच्च संस्थान के तौर पर 2014 में एनसीजीजी की स्थापना की थी।

सीएम मान ने जी-20 की अमृतसर में होने वाली बैठक की तैयारियों की समीक्षा की

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अगले साल मार्च में जी-20 की अमृतसर में होने वाली बैठक की तैयारियों की समीक्षा की। जी-20 या 20 समूह विश्व के प्रमुख विकसित और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं का अंतर सरकारी मंच है। इसमें अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ शामिल हैं।जी-20 की अध्यक्षता की जिम्मेदारी एक दिसंबर 2022 से नवंबर 2023 तक भारत के पास रहेगी। इस दौरान समूह की करीब 200 बैठकें देश में होंगी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अमृतसर में होने वाली बैठक मार्च महीने में होगी और दुनिया के प्रमुख देश इसमें शामिल होने वाले हैं। मान ने कहा, यह सौभाग्य की बात है कि हमें इस बैठक की मेजबानी करने का मौका मिला है, जिसमें शामिल देशों द्वारा शिक्षा पर मंथन किया जाएगा।''उन्होंने कहा कि वैश्विक आयोजन को सफल बनाने के लिए वृहद पैमाने पर तैयारियां की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे शहर को पांच सेक्टर में बंटकर प्रत्येक सेक्टर में प्रभावी प्रबंधन के लिए वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को तैनात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ये अधिकारी अपने-अपने तैनाती क्षेत्र में सम्मेलन के दौरान गतिविधियों को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए जिम्मेदार होगी। मुख्यमंत्री ने आयोजन के दौरान दैनिक आधार पर होने वाली गतिविधियों की निगरानी के लिए मंत्रिमंडल की उप समिति भी गठित की है। मान ने मंत्रिमंडल की उप समिति की सहायता करने और बिना बाधा कार्यक्रम को संपन्न करने के लिए मुख्य सचिव विजय कुमार जान्जुआ की अध्यक्षता में उच्च अधिकार प्राप्त समिति का भी गठन किया है।

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने 50 नई 'लो-फ्लोर' सीएनजी बसों को हरी झंडी दिखाई

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को सीएनजी से चलने वाली 50 नई 'लो-फ्लोर' क्लस्टर बसों को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि यह बसें राष्ट्रीय राजधानी के ग्रामीण इलाकों में 'संपर्कता' में सुधार करेंगी। उन्होंने परिवहन विभाग की प्रवर्तन शाखा के लिए 30 इनोवा कार और 36 मोटरबाइक को भी हरी झंडी दिखाई।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान कहा, '' यह सभी वाहन लेन अनुशासन लागू करने में शामिल होंगे। अप्रैल से हमने लेन अनुशासन अभियान शुरू किया था।'' केजरीवाल ने कहा कि 2023 तक दिल्ली की सड़कों पर 1,800 विद्युत बसें होंगी, जबकि 2025 तक शहर के बस बेड़े का 80 फीसदी हिस्सा विद्युत होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने 1,500 विद्युत बसों के लिए प्रस्ताव जारी किया है और अगले साल नवंबर तक ऐसी 1,800 बसें दिल्ली की सड़कों पर चलने लगेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने 50 नई लो-फ्लोर सीएनजी (वातानुकूलित) बसों को शामिल किया है। पहले लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ता था, क्योंकि दिल्ली में पर्याप्त बसें नहीं थीं, लेकिन पिछले दो तीन वर्षों में बड़ी संख्या में विद्युत, सीएनजी, क्लस्टर बसों को बेड़े में शामिल किया गया है। '' नई बसें हाल में तैयार किए गए बवाना बस डिपो में रखी जाएंगी। उन्होंने कहा, ''इससे ग्रामीण इलाकों में 'संपर्कता' (कनेक्टिविटी) बढ़ाने में मदद मिलेगी। पहले से ही 360 क्लस्टर बस मार्ग हैं। इन बसों के लिए छह नए मार्ग होंगे जो ग्रामीण क्षेत्रों तक सेवाएं प्रदान करेंगे।

वहां भारत बर्दाश्त नहीं, जहां करोड़ों युवाओं के पास नौकरी नहीं हो: राहुल गांधी

बेंगलुरु (एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि देश के लोग इसतरह के भारत को बर्दाश्त नहीं करने जा रहे हैं, जहां लाखों युवा बेरोजगार हैं, और बड़ी संख्या में लोग बढ़ती महंगाई के बोझ तले दबे हुए हैं। जनसभा को संबोधित कर राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी की 'भारत जोड़ो यात्रा उस नफरत, हिंसा और गुस्से से लड़ने के लिए है, जिसे भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) इस देश में फैला रहे हैं। उन्होंने कहा, भाजपा के लिए यह संदेश है कि भारत का बंटवारा नहीं होगा, भारत एकजुट होकर खड़ा रहेगा और यह संदेश इस यात्रा में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, क्योंकि यात्रा में हिंसा, नफरत और गुस्से के लिए कोई स्थान नहीं है। राहुल गांधी ने कहा, हम उस भारत को बर्दाश्त नहीं करने वाले हैं जहां करोड़ों युवाओं को नौकरी नहीं मिल सकती। हम उस भारत को बर्दाश्त नहीं करने जा रहे हैं, जहां करोड़ों लोग बढ़ती महंगाई के बोझ तले दबे हों।''

किसानों और महिलाओं की कथित दुर्दशा का जिक्र कर राहुल गांधी ने कहा, हम उस भारत को बर्दाश्त नहीं करने जा रहे हैं, जहां कुछ लोगों को अपनी इच्छानुसार कुछ भी चुराने का अधिकार हो और शेष भारत भूखा हो और शेष भारत के पास नौकरी न हो। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी ने कर्नाटक सरकार पर भी हमला कर इस देश में सबसे भ्रष्ट'' करार दिया।

उन्होंने कर्नाटक सरकार से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण बढ़ाकर नागमोहन दास समिति की रिपोर्ट को तुरंत लागू करने का भी आह्वान किया। राहुल गांधी ने कहा,ढाई साल से उन्होंने इस रिपोर्ट पर कुछ नहीं किया है। वे इस रिपोर्ट पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं? उन्हें समय बर्बाद नहीं करना चाहिए और इस रिपोर्ट को तुरंत लागू करना चाहिए।

शीत युद्ध के दौर में पश्चिमी देशों ने भारत को सैन्य हथियारों की आपूर्ति नहीं की: जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि 'पड़ोस में सैन्य तानाशाही के लिए पश्चिमी देशों की प्राथमिकता के कारण, भारत के पास रूसी मूल के हथियारों की पर्याप्त सूची है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष पेनी वोंग के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान यह बात कही। दरअसल जयशंकर ने यह बात एक ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार के सवाल के जवाब में कही, जिन्होंने उनसे पूछा था कि क्या भारत रूसी हथियारों पर अपनी निर्भरता कम करेगा और यूक्रेन संघर्ष के कारण रूस के साथ अपने संबंधों पर पुनर्विचार करेगा। जयशंकर ने कहा, हमारे पास सोवियत और रूसी मूल के हथियारों की पर्याप्त सूची है। और वह सूची वास्तव में कई कारणों से बढ़ी। आप जानते हैं, हथियार प्रणालियों की खूबियां, बल्कि इसलिए भी कि कई दशकों तक पश्चिमी देशों ने भारत को हथियारों की आपूर्ति नहीं की और वास्तव में, हमारे बगल में एक सैन्य तानाशाही को पसंदीदा साथी के रूप में देखा।' वह शीत युद्ध के दौर का जिक्र कर रहे थे, जब अमेरिका ने पाकिस्तान को हथियारों की आपूर्ति करना पसंद किया, जो 1980 के दशक में सैन्य तानाशाहों द्वारा शासित था। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और रूस के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंध हैं, जिसने निश्चित रूप से नई दिल्ली के हितों की अच्छी सेवा की है।

जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते हैं और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हों लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर ले क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नहीं है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममें से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होगी।

आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो यह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। यह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

इस तरह बना सकते हैं ग्रह, नक्षत्रों में करियर

इन दिनों युवाओं में ज्योतिष की पढ़ाई को लेकर भी खूब क्रेज है। बाजार में ज्योतिषियों की बढ़ती मांग को देखते हुए युवाओं को इसमें भविष्य संवारने का सुनहरा मौका दिया है। ज्योतिष कोर्स को लेकर युवाओं के बढ़ते रुझान को देखते हुए यह एक बेहतरीन करियर विकल्प बन गया है। पिछले कुछ सालों में इस फील्ड में काफी स्कोप बढ़ा है। यही नहीं ज्योतिष के साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं।

कुंडली मिलान से लेकर, मांगलिक कार्य, शादी ब्याह, पंचाग, राशिफल, अंकविज्ञान, कर्मकांड आदि भी इसी दायरे में आते हैं। ज्योतिष, पूजा-पाठ के कई तरह के कोर्स उपलब्ध है। 12 वीं करने के बाद भी आप इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। स्नातक ऑनर्स या शास्त्री की डिग्री तीन साल की होती है। दो साल का पीजी कोर्स या आचार्य की डिग्री हासिल की जा सकती है। आप पीएचडी भी कर सकते हैं।

ज्योतिष अलंकार कोर्स के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इसके बाद आप ज्योतिषाचार्य का कोर्स कर सकते हैं। ज्योतिष और अध्यात्म के साथ-साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए भी धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं। अधिकतर संस्थानों और विश्वविद्यालयों में संस्कृत के साथ ही ज्योतिष विज्ञान, कर्मकांड, धर्मशास्त्र, व्याकरण, वेद, पुरोहित आदि की पढ़ाई होती है। वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वैदिक दर्शन, जैन-बुध्द दर्शन, धर्मशास्त्र मीमांसा, धर्मागम आदि का अध्ययन संस्कृत विषय के तहत ही किया जाता है। हालांकि कई संस्थानों में ज्योतिष प्रज्ञ में सर्टिफिकेट कोर्स तो ज्योतिष भूषण में डिप्लोमा कोर्स भी आयोजित कर रहे हैं।

संभावनाएं

ज्योतिष में करियर बनाने के इच्छुक लोगों को रत्न, पत्थर, ग्रह-नक्षत्र के साथ भारतीय लोगों के दृष्टिकोण को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। इस क्षेत्र में कभी भी मंदी नहीं आती क्योंकि अधिकतर भारतीय पारंपरिक हैं और ज्योतिष पर विश्वास करते हैं। कोई भी व्यक्ति अखबार, न्यूज चैनलों के अलावा पत्रिकाओं में भविष्यवक्ता भी बन सकता है।

स्किल्स

इस फील्ड में आप तभी सफल हो सकते हैं जब आप में लगातार कुछ न कुछ सीखने के गुण हों। आपका व्यक्तित्व आकषर्क हो, आप लोगों के साथ दोस्ताना रवैया रख सकें। केवल पैसा कमाना ही आपका मकसद न होकर दूसरों की सहायता करना भी होना चाहिए। ईमानदारी इस पेशे में काफी अहमियत रखती है। साथ ही, जिम्मेदारी की भावना भी आप में कूट-कूट कर भरी होनी चाहिए। लोगों को अपनी बातों से कंविंस करना इस फील्ड की मुख्य चुनौती है। आप अपनी बात हर समय तर्कयुक्त ढंग से रखें जिससे सामने वाला आपकी बातों पर हामी भरे। ज्योतिष सीखना और भविष्यवाणी करना आसान काम नहीं है। इसके लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है। नकारात्मक बातों की भविष्यवाणी करने से पहले आपको इस बात का ख्याल रखना होता है कि ग्राहक कहीं बेहद निराश में न डूब जाए।

कोर्सेस

बीएससी इन एस्ट्रोलॉजी, एमएससी इन एस्ट्रोलॉजी, सर्टिफिकेट कोर्स इन एस्ट्रोलॉजी, डिप्लोमा कोर्स इन भारतीय ज्योतिष, बीएम/एमए/पीएचडी इन एस्ट्रोलॉजी, एमए इन संस्कृत रिसर्च इन एस्ट्रोलॉजी, कोर्स इन वेदांग ज्योतिष, टू ईयर ग्रेडेट कोर्स इन वैदिक एस्ट्रोलॉजी, एम इन एस्ट्रोलॉजी (पत्राचार), बीए (संस्कृत), ज्योतिष एमए (आचार्य), ज्योतिष बीए (संस्कृत), ज्योतिष फलित, ज्योतिष बीए (ज्योतिष), एमए (फलित ज्योतिष), एमए (सिध्दांत ज्योतिष), बीए शास्त्री (सिध्दांत ज्योतिष), बीए (फलित ज्योतिष), ज्योतिष डिप्लोमा कोर्स, ज्योतिष डिप्लोमा पुरोहित सर्टिफिकेट ट्रेनिंग कोर्स इन पुरोहित, पीजी डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र रिफ्रेशर कोर्स इन ज्योतिष (ज्योतिष प्रज्ञ और ज्योतिष भूषण), ज्योतिष प्रवीण बेसिक एस्ट्रोलॉजी कोर्स (एक साल)।

इन तरीकों से दूर कर सकते हैं अपनी कमजोरियां

कई बार हम बिना सोचे-समझे दूसरों की आलोचना कर देते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हम यह नहीं सोचते कि इसका परिणाम क्या होगा। दूसरों की आलोचना पर ध्यान देने या उनकी कमियां निकालने में समय गंवाने के बजाय हमें खुद को सशक्त बनाने पर ध्यान देना चाहिए। अपने आप को कमजोर या हीन समझने के बजाय यह देखें कि आखिर वह कौन-सी खासियत है, जो आपके भीतर है, जिसे आगे बढ़ाकर आप कामयाबी के शिखर की तरफ बढ़ सकते हैं। कभी भी यह न सोचें कि आपके भीतर कोई हुनर नहीं है। अगर आपको लगता है कि वाकई कोई अच्छाई आपमें नहीं है, तो किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जरा ठहरें। कुछ दिन पूरी एकाग्रता के साथ आत्म-मंथन करें। अपनी रुचियों, आदतों, व्यवहार, बातचीत, प्रतिक्रिया आदि पर ध्यान दें। आपको जरूर पता चल जाएगा कि आप में कौन-सी अच्छाई है। अगर फिर भी समझ में नहीं आता, तो घर के किसी समझदार सदस्य, अध्यापक या फिर काउंसलर की मदद से खुद की ताकत को जानें-समझें। इससे आपको अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

घबराएं न हार से

अगर आप कभी किसी परीक्षा या टेस्ट में फेल हो जाते हैं, किसी टीम का हिस्सा होते हुए भी बेहतर परफॉर्म नहीं कर पाते या फिर किसी वजह से शर्मिंदा होना पड़ता है, तो ऐसी स्थिति में भी धैर्य बनाए रखें। हताश बिल्कुल न हों। खुद को संयत रखें। फिर यह सोचें कि आखिर आप असफल क्यों हुए? आपसे कहां चूक हो गई? आपने गलती कहां की? अपनी हार या असफलता में छिपे कारणों को ढूंढें। जब तक आप उन कारणों को ढूंढकर उन्हें दूर करने का प्रयत्न नहीं करेंगे, कामयाबी आपसे दूर ही रहेगी। अगर आप खुद को विजेता के रूप में देखता चाहते हैं, तो अपनी कमियों-कमजोरियों को ढूंढकर उन्हें यथाशीघ्र दूर करें। याद रखें, दुनिया में ऐसे बहुत कम कामयाब लोग होंगे, जिन्होंने कभी असफलता का स्वाद नहीं चखा होगा। कामयाबी के शिखर पर पहुंच चुके तमाम लोगों को अपने प्रयासों में कई बार हार मिली। चाहे बल्ब के आविष्कारक थॉमस एडिसन हों या फिर नए संसार की खोज में निकले कोलंबस और वास्को-डि-गामा जैसे लोग। बार-बार की असफलता के बावजूद ऐसे उत्साही लोगों ने उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा। आखिर एक दिन ऐसा आ ही गया, जब उन्हें कामयाबी मिली और दुनिया भर ने उनका लोहा माना। अगर आप भी किसी परीक्षा या प्रतियोगिता में असफल हो जाते हैं, तो इसे जिंदगी का आखिरी इम्तेहान समझने के बजाय इस बात पर विचार करें कि आखिर किन कमियों के कारण आपको सफलता नहीं मिल सकी। इन कमियों को दूर कर फिर दोगुने उत्साह के साथ प्रयास करें।

आत्ममुग्धता से बचें

अक्सर यह भी देखने में आता है कि छोटी-छोटी सफलताएं पाकर हम आत्ममुग्ध हो जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि बड़े लक्ष्य को पाने के लिए किए जाने वाले हमारे प्रयास शिथिल पड़ने लगते हैं। कई बार हम खुद को बेहद काबिल मानकर यह सोच लेते हैं कि हमें सफलता तो मिल ही जाएगी। मगर जब ऐसा नहीं होता और असफलता हाथ लगती है, तो हमें शॉक लगता है। तब हमें एहसास होता है कि काश दूसरों की तारीफों के कारण हम आत्ममुग्धता के शिकार न हुए होते।

सकारात्मकता का साथ

आप चाहे पढ़ाई कर रहे हों या नौकरी, अपनी सोच को हर समय सकारात्मक बनाए रखें। परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, संघर्ष चाहे जितना करना पड़े, सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे, तो इसके अच्छे परिणाम भी जरूर दिखेंगे। किसी के बारे में बुरा सोचने या उसकी निंदा करने के बजाय अच्छा सोचें, अच्छा करें। दूसरे क्या कर रहे हैं या क्या नहीं कर रहे हैं, इस पर नजर रखने के बजाय हमेशा अपने दायित्व को पूरा करने पर ध्यान दें। अपने काम में नित नई पहल करते हुए जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ेंगे, तो सफलता भी मिलेगी और नई पहचान भी बनेगी।

किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।

सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग काम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की क्या रणनीति होनी चाहिए?

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्रॉफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।
पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रैंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2019 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

सीसैट में सफलता का मुख्य सूत्र क्या है?

सबसे जरूरी बात तो यह है कि उम्मीदवारों का कॉन्सेप्ट बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए। कॉन्सेप्ट क्लीयर हो, तो सी-सैट मुश्किल नहीं। सभी विषयों पर मेहनत करें। किसी विषय को नजरअंदाज न करें।

वर्कप्लेस क्राइसेस से इन तरीकों से डील करें

ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

वर्कप्लेस पर क्राइसेस अनेक रूप ले सकता है। यह प्रतिष्ठा को लेकर या मुकदमेबाजी का मुद्दा हो सकता है या फिर प्राकृतिक आपदा। यह भी हो सकता है कि रिवेन्यू में कमी होने से कॉस्ट कटिंग और डाउनसाइजिंग का दौर चले। ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

पारदर्शिता

आतंरिक या बाह्य किसी भी तरह के क्राइसेस में कर्मचारियों को चिंता होती है कि वह किस तरह से प्रभावित होंगे। उनके साथ स्पष्ट रूप से संवाद किया जाए और बड़ी खबरें न छुपाई जाए। क्राइसेस को लेकर पारदर्शी रहे और सावधानी से काम करें।

विश्वास रखें

एक लीडर के रूप में आपसे उम्मीद की जाती है कि वर्कप्लेस क्राइसेस से निपटने के लिए आप कॉन्फिडेंट रहें। जहां भी आवश्यक हैं, वहां हस्तक्षेप करें और समाधान के लिए हटकर सोचने से डरे नहीं।

ईमानदार रहें

व्यक्तिगत रूप से कर्मचारियों से मिलें और उन्हें निश्चिंत करें कि इस संकट आप उनका ध्यान रखेंगे। ईमानदारी से स्थिति बयां करते हुए जरूरी एक्शंस को लेकर उनसे बात करें।

मदद मांगने में न हिचकें

अपने कर्मचारियों के पास जाएं और उनसे सलाह मांगे। ऐसा करना आपकी लीडरशिप पर सवाल नहीं है बल्कि यह एक अच्छा तरीका है जिसमें क्राइसेस के समय कर्मचारियों को अपना योगदान देने में गर्व ही महसूस होगा।

पाकिस्तान पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों से मिलीं मलाला यूसुफजई

कराची। नोबेल पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करने और बाढ़ पीड़ितों से मिलने के लिए चार साल से अधिक समय बाद अपने देश की पहली यात्रा पर मंगलवार को पाकिस्तान पहुंचीं। जून के मध्य से अभूतपूर्व बारिश के कारण पाकिस्तान में आई भीषण बाढ़ में 1,700 से अधिक लोग मारे गए, 3.3 करोड़ लोग विस्थापित हुए और देश का एक तिहाई हिस्सा पानी में डूब गया। विश्व बैंक के अनुमान के अनुसार, बाढ़ के कारण पाकिस्तान को 40 अरब अमेरीकी डॉलर तक के आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। यूसुफजई के गैर-लाभकारी संगठन 'मलाला फंड' ने एक बयान में कहा कि उनकी यात्रा का उद्देश्य ''पाकिस्तान में बाढ़ के प्रभाव पर अंतरराष्ट्रीय ध्यान केंद्रित करना और महत्वपूर्ण मानवीय सहायता की आवश्यकता को सुदृढ़ करने में मदद करना'' है। इससे पहले, 'मलाला फंड' ने बाढ़ राहत प्रयासों का समर्थन करने और ''पाकिस्तान में लड़कियों और महिलाओं के कल्याण'' के लिए अंतरराष्ट्रीय बचाव समिति (आईआरसी) को एक आपातकालीन राहत अनुदान जारी किया था।

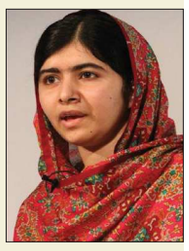

यूसुफजई (25) ने अपनी वेबसाइट में कहा कि पाकिस्तान में तबाही और रातों-रात लाखों लोगों का जीवन तबाह होते देखकर मेरा दिल टूट गया है। मैं अंतरराष्ट्रीय समुदाय से न केवल उदार सहायता करने बल्कि जलवायु परिवर्तन को रोकने और जलवायु-वित्तीय तंत्र स्थापित करने के लिए नीतियों पर तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह करती हूं। यूसुफजई ने आखिरी बार मार्च 2018 में पाकिस्तान का दौरा किया था। अक्टूबर 2012 में स्वात जिले में तालिबान के हमले से बचने के बाद से यह उनकी दूसरी पाकिस्तान यात्रा है। हमले में घायल होने के बाद उन्हें ब्रिटेन के बर्मिंघम के एक विशेष अस्पताल में ले जाया गया था। ठीक होने के बाद यूसुफजई ने घोषणा की कि वह लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक आंदोलन शुरू करेंगी। दिसंबर 2014 में यूसुफजई 17 साल की उम्र में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने वाली सबसे कम उम्र की विजेता बनीं।

लेबनान के साथ समुद्री सीमा को लेकर 'ऐतिहासिक समझौता' किया: इज़राइल

यरूशलम। इज़राइल के प्रधानमंत्री येर लापिद ने मंगलवार को कहा कि उनके देश ने अमेरिका की मध्यस्थता में महीनों तक चली बातचीत के बाद पड़ोसी लेबनान के साथ साझा समुद्री सीमा को लेकर एक ''ऐतिहासिक समझौता'' किया है। यह एक दुर्लभ समझौता है, क्योंकि दोनों देश एक-दूसरे के कट्टर शत्रु हैं। हालांकि, समझौते को लेकर अब भी कुछ बाधाएं हैं जिसमें इज़राइल में इसे कानूनी रूप से चुनौती दिये जाने की संभावना शामिल है। प्रधानमंत्री लापिद ने समझौते को एक '' ऐतिहासिक उपलब्धि '' बताया। उन्होंने कहा कि यह समझौता '' इज़राइल की सुरक्षा को मजबूत करेगा, इज़राइल की अर्थव्यवस्था को काफी फायदा पहुंचाएगा और हमारी उत्तरी सीमा में स्थिरता सुनिश्चित करेगा।'' इज़राइल के 1948 में अस्तित्व में आने के बाद से ही लेबनान और इज़राइल के बीच समुद्री सीमा को लेकर विवाद है। दोनों देश भूमध्य सागर के लगभग 860 वर्ग किलोमीटर (330 वर्ग मील) क्षेत्र पर दावा करते हैं। स्थानीय मीडिया और अधिकारियों के मुताबिक वरिष्ठ अमेरिकी ऊर्जा राजनयिक एमोस होचेस्टीन ने समुद्री सीमा समझौते के लिए लेबनान के मुख्य वार्ताकार और डिप्टी स्पीकर एलिआस बोउ साब को सोमवार की रात संशोधित प्रस्ताव दिया था। होचेस्टीन को एक साल पहले अमेरिका ने वार्ता के लिए मध्यस्थ नियुक्त किया था।

ब्रिटिश सांसद ने सिख विरोधी घृणा अपराधों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की

लंदन। ब्रिटेन की सिख सांसद प्रीत कौर गिल ने देश के मंत्रियों को पत्र लिखकर सिख विरोधी घृणा अपराधों में वृद्धि पर तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया है। ब्रिटिश सिखों से संबंधित सर्वदलीय संसदीय समूह (एपीपीजी) की अध्यक्ष और विपक्षी लेबर पार्टी की सांसद गिल ने भारतीय मूल की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन और सामुदायिक मामलों के मंत्री साइमन क्लार्क को पत्र लिखकर मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के दौरान घृणा अपराधों पर गृह कार्यालय के आंकड़ों का हवाला दिया है। उन्होंने सोमवार को ट्विटर पर अपना पत्र पोस्ट किया जिसमें लिखा है, ''मैं इन नए आँकड़ों से बहुत चिंतित हूँ। 2021-22 में सिखों के खिलाफ 301 घृणा अपराध दर्ज किए गए, जो 2020 में हुए घृणा अपराध के 112 मामलों से अधिक हैं।'' गिल ने अपने पत्र में लिखा, ''मैं आपसे यह कहने के लिए पत्र लिख रही हूं कि आप सिख विरोधी घृणा अपराधों में वृद्धि को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करें और एपीपीजी की सिफारिशों को लागू कर सिख समुदाय की रक्षा करें।

इस्लामाबाद के सबसे बड़े मॉल में लगी भीषण आग

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में सेंटोरस इमारत में आग लग गई है। इस इमारत में राजधानी का सबसे बड़ा शॉपिंग मॉल भी है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना में कोई भी हताहत नहीं हुआ है और आग पर काबू पा लिया गया है तथा आगे की जांच के लिए इसे सील कर दिया गया है। आग को बुझाने के अभियान की निगरानी करने वाले राजधानी विकास प्राधिकरण (सीडीए) के प्रमुख मोहम्मद उस्मान यूनिस ने कहा कि आग पर दो घंटे में काबू पाया गया। उन्होंने कहा कि दमकल, पाकिस्तानी नौसेना, पाकिस्तानी वायु सेना, रेक्स्यू 1122 ने आग बुझाने वाले अभियान में हिस्सा लिया। पुलिस के मुताबिक, मॉल के क्षेत्र में स्थित फूड कोर्ट में स्थित एक रेस्तरां में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी जो इमारत के रिहायशी मंजिलों तक पहुंच गई। टीवी पर प्रसारित तस्वीरों में इमारत से धुआं निकलता दिख रहा है जबकि अन्य क्लिप में लोग मॉल की लिफ्ट के जरिए इमारत से बाहर आने की कोशिश करते दिख रहे हैं। इस्लामाबाद के उपायुक्त इरफान नवाज मेमन ने कहा कि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है क्योंकि अधिकारी विभिन्न मंजिलों पर फंसे लोगों को बचाने में सफल रहे। इस बीच, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने का आदेश दिया। उन्होंने ट्विटर पर कहा, 'यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह घटना इस प्रसिद्ध व्यापार केंद्र में हुई। मैं दुआ करता हूं कि जान का नुकसान न हो। पीड़ितों के वित्तीय नुकसान के लिए संवेदना और सहानुभूति है।

ईरान हिजाब विवाद के बाद विरोध के बीच पश्चिमी शहर में फायरिंग और विस्फोट

ईरान में 22 वर्षीय एक महिला की मौत की घटना के बाद से लगातार जारी विरोध प्रदर्शन के बीच सोमवार को एक पश्चिमी शहर की सड़कों पर गोलियों और विस्फोटों की आवाज़ें सुनाई दीं। साथ ही, पास के एक गांव में एक व्यक्ति कथित तौर पर सुरक्षा बलों द्वारा मारा गया। कार्यकर्ताओं ने यह जानकारी दी। गौरतलब है कि नैतिकता पुलिस (मॉरिलिटी पुलिस) ने हिजाब सही तरीके से नहीं पहनने के आरोप में सितंबर में महसा अमीनी को हिरासत में लिया था। वह थाने में बेहोश हो गईं और इसके तीन दिन बाद उनकी मौत हो गई थी। इस घटना के बाद से ईरान के कई शहरों, कस्बों और गांवों में विरोध प्रदर्शन जारी है। पुलिस का कहना है कि अमीनी की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई और उनके साथ किसी तरह की बदसलूकी नहीं की गई थी। अधिकारियों द्वारा इंटरनेट पर प्रतिबंध के बावजूद तेहरान और अन्य जगहों से विरोध प्रदर्शन के ऑनलाइन वीडियो सामने आए हैं। महिलाओं को बिना हिजाब के सड़कों पर मार्च करते हुए देखा जा सकता है। बीते चार सप्ताह से सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। 'हेंगॉ ऑर्गनाइजेशन फॉर ह्यूमन राइट्स' नामक एक कुर्द समूह के अनुसार, सोमवार को तड़के ईरान के कुर्दिस्तान प्रांत की राजधानी सानंदज के साथ-साथ इराक की सीमा के पास सालास बाबाजानी गांव में भी हिंसा की कई घटनाएं हुईं। महसा अमीनी कुर्द थीं और ईरान के कुर्द इलाकों में उनकी मौत को लेकर खासा आक्रोश है। यहां 17 सितंबर को अमीनी को सुपुर्द-ए-ख़ाक़ किए जाते समय विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे जो देश के विभिन्न हिस्सों में फैलते गए।

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने कानून आधारित एक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर दिया जोर

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को कहा कि एक उदार लोकतंत्र के तौर पर भारत और ऑस्ट्रेलिया कानून आधारितएक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय समुद्र क्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता, सभी के लिए विकास व सुरक्षा को बढ़ावा देने में विश्वास रखते हैं। जयशंकर ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच यह बयान दिया। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में जयशंकर ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत बेहद सार्थक व सहज रही, जिसकी एक प्रमुख वजह यह है कि बड़े बहुपक्षीय सम्मेलनों के दौरान भी अलग से वे कई बार मिलते रहते हैं। वोंग ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों का मानना है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र को आर्थिक व रणनीतिक दोनों रूप से एक ''नया आकार'' दिया जा रहा है।

कीव में रुसी हमले के बाद अपनी जलती हुई कार छोड़कर भागते हुए एक ड्राइवर।

ब्रिटेन की प्रधानमंत्री ने सुनक के सहयोगी को वाणिज्य मंत्री बनाया

लंदन। ब्रिटेन की प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने सोमवार को ऋषि सुनक के एक सहयोगी ग्रेग हैंड्स को कनिष्ठ वाणिज्य मंत्री बनाया। सुनक कंजर्वेटिक पार्टी का नेता बनने की दौड़ में ट्रस के प्रतिद्वंद्वी थे। लिज ट्रस के इस कदम को सत्ताधारी कंजर्वेटिव पार्टी को अपने साथ जोड़कर विद्रोहियों की चाल पर अंकुश लगाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। कंजर्वेटिक पार्टी का नेता बनने की दौड़ में शामिल सुनक का ग्रेग हैंड्स ने हाल ही में मुखर समर्थन किया था। अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य विभाग (डीआईटी) में वाणिज्य नीति के प्रभारी मंत्री के रूप में ग्रेग कोनोर बर्न्स का स्थान लेंगे, जिन्हें गंभीर कदाचार के आरोप में हाल ही में पद से बर्खास्त कर दिया गया था। सुनक के उच्च स्तरीय समर्थकों में से एक ग्रेग भी हैं, लेकिन मंत्रिमंडल में उनके शामिल होने का सुनक के अन्य विश्वासपात्र लोगों ने भी समर्थन किया है जो इस बात का संकेत है कि ट्रस पार्टी के दूसरे धड़े को भी जोड़ना चाहती हैं। सुनक के कट्टर समर्थक और पूर्व परिवहन मंत्री ग्रांट शाप्पस ने कहा, ''व्यापार के मामले में कोई भी व्यक्ति ग्रेग हैंड्स से अधिक अनुभवी और ज्ञानी नहीं है। इस स्वागत योग्य कदम से लिस ट्रस सरकार को मजबूती मिलेगी।'' सुनक भारतीय मूल के पहले शख्स हैं जो प्रधानमंत्री पद की दौड़ में शामिल हुए, हालांकि कंजर्वेटिक पार्टी के सदस्यों की ओर से किये गये मतदान के दौरान उन्हें पिछले महीने हार का सामना करना पड़ा। ग्रेग ने कहा कि सरकार का हिस्सा होना एक सम्मान की बात होने के साथ-साथ बड़ा विशेषाधिकार है। भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) को लेकर जारी वार्ता में भी ग्रेग के शामिल होने की संभावना है।

यूक्रेन के प्रति और सख्त हुआ रूस, लगातार कर रहा है आकाशीय बमबारी

भारतीय दूतावास ने जारी की एडवाइजरी, अनावश्यक यात्रा से बचें इंडियंस

कीव/नयी दिल्ली (एजेंसी)।

रूस ने एक बार फिर से यूक्रेन पर अपने हमले तेज करत दिए हैं। कीव पर लगातार रूस की तरह से बमबारी की जा रही हैं। अब तक एक रिपोर्ट के अनुसार 17 लोगों की मौत हो चुकी हैं। पिछले काफी दिनों से यह कहा जा रहा था कि यूक्रेन ने रूस को काटे की टक्कर देते हुए रशिया की आर्मी को कमजोर कर दिया हैं। वहीं रूस से यूक्रेन के चार जगहों को अपनी टेरीटरी की हिस्सा मानते हुए उसे अपने कब्जे में कर दिया हैं। यूक्रेस ने कहा है कि रूस के बॉर्डर से लगी यह जगहे यूक्रेन का हिस्सा है और रूस से हथियारों के बल से इस पर कब्जा किया हैं। ऐसे में दोनों देशों के बीच युद्ध तेज हो गया हैं। यूक्रेन को लेकर व्लादीमीर पुतिन ने हाल ही में यह भी बयान दिया था कि अगर यूक्रेन नहीं मानता है तो देश की सुरक्षा के लिए रूस परमाणु बम का भी प्रयोग कर सकता है। ऐसे में दोनों देशों के बीच एक बार फिर से हालात बेहद खराब हो गये हैं जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा हैं।

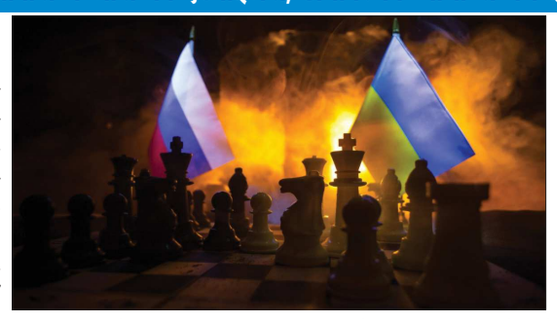

यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों को यूक्रेन की अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी। भारतीय दूतावास का यह परामर्श यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष तेज होने के बाद आया है। दूतावास ने भारतीयों को यूक्रेन में रहने की जानकारी देने और अपनी स्थिति से भी उसे अवगत कराने को कहा है ताकि जरूरत पड़ने पर उन तक पहुंचा जा सके। दूतावास ने कहा, ''यूक्रेन में जारी संघर्ष के तेज होने के मद्देनजर भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे यूक्रेन की एवं यूक्रेन के भीतर की अनावश्यक यात्रा से बचें।''

परामर्श में कहा गया, ''वे यूक्रेन की सरकार और स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी सुरक्षा और संरक्षा दिशानिर्देश का कड़ाई से अनुपालन करें।'' गौरतलब है कि क्रीमिया में शनिवार को हुए धमाके के बाद रूस ने यूक्रेन के विभिन्न शहरों में हमले तेज कर दिए हैं और मिसाइलें दाग रहा है जिससे दोनों देशों के बीच संघर्ष और तेज हो गया है। दूतावास ने कहा, '' भारतीय नागरिकों से अनुरोध किया जाता है कि वे यूक्रेन में अपनी उपस्थिति से दूतावास को अवगत कराएं ताकि जरूरत पड़ने पर उनतक पहुंचा जा सके।''

रूस ने सोमवार को यूक्रेन की राजधानी कीव समेत उसके कई शहरों को मिसाइल हमलों के जरिये निशाना बनाया और इस दौरान उसने रिहायशी इलाकों को भी नहीं बख्शा। राजधानी कीव में हमलों में कम से कम छह लोगों की जान गई तथा सड़कों पर जली हुई गाड़ियों और हमले में बर्बाद हुई इमारतों का मलबा बिखरा नजर आया। इन मिसाइल हमलों को हाल के महीनों में रूस द्वारा किया गया सबसे बड़ा व व्यापक हमला करार दिया गया।

भारत और चीन के बीच सीधी उड़ान सेवा शुरु होने की उम्मीद नहीं

बीजिंग (एजेंसी)।

कोरोना महामारी संबंधी नियमों में बदलाव के बिना भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानों का संचालन फिलहाल फिर से शुरू होने की संभावना नहीं है। दरअसल वर्ष 2019 के अंत में वुहान में पहली बार कोरोना संक्रमण के बाद में दुनियाभर में इसके फैलने के बाद से दोनों देशों के बीच उड़ान सेवाएं बाधित हैं। इससे सैकड़ों भारतीय छात्र, चीन में काम करने वाले भारतीयों के परिवारों और व्यापारियों के लिए उड़ान में व्यवधान एक बड़ी समस्या बन गया है। चीन ने हालांकि हाल में लगभग तीन साल बाद वीजा प्रतिबंध हटा लिया है।

सूत्रों ने बताया कि उड़ानों के फिर से शुरू नहीं होने की संभावना को देखकर भारतीयों को हांगकांग से यात्रा करने की सलाह दी जा रही है। भारत और हांगकांग के बीच दैनिक उड़ान सेवाओं का संचालन हो रहा है। ऐसी स्थिति में भारतीय हांगकांग से चीन के शहरों के लिए उड़ान भर सकते हैं, जहां उन्हें सात दिन तक पृथकवास(क्वारंटाइन) में रहना होगा।

भारतीय यात्री चीन के लिए फिलहाल श्रीलंका, नेपाल और म्यांमार जैसे देशों से यात्रा कर रहे हैं। चीन ने वर्ष 2020 में लगभग सभी देशों से उड़ान सेवाएं बंद कर दीं थी। लेकिन हाल के माह में चीन ने नेपाल, श्रीलंका और पाकिस्तान सहित कुछ देशों से सीमित उड़ान सेवाओं की अनुमति देना शुरू कर दिया है।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि भारत और चीन सीमित उड़ान सेवाओं को फिर से शुरू करने के लिए कई महीनों से बातचीत कर रहे हैं। लेकिन कोविड संक्रमित यात्री मिलने पर उड़ान रद्द करने से संबंधित चीन के नियम के कारण सीधी उड़ानों का संचालन शुरू नहीं हो रहा है। विमानन कंपनियों को नियम का पालन करना कठिन लगता है, क्योंकि वे कोविड का परीक्षण नहीं करते हैं जो चीन की यात्रा करने वाले सभी यात्रियों के लिए अनिवार्य हैं।

ताइवान के राष्ट्रपति ने कहा- चीन की धमकी से किसी समस्या का समाधान नहीं होगा

ताइवान (एजेंसी)।

ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग-वेन ने सोमवार को कहा कि ताइवान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने की चीन की धमकी ''पूरी तरह से कोई विकल्प '' हो कसता और यह केवल दोनों पक्षों के बीच दूरियां ही बढ़ाएगी। ताइवान के राष्ट्रीय दिवस पर साई ने कहा कि चीन को ताइवान की बहुदलीय लोकतांत्रिक राजनीतिक प्रणाली को कमजोरी समझने और ''ताइवान के समाज को विभाजित करने का प्रयास'' करने की गलती नहीं करनी चाहिए। साई ने कहा, ''मैं बीजिंग के अधिकारियों को यह स्पष्ट करना चाहती हूं कि सशस्त्र टकराव दोनों पक्षों के बीच पूरी तरह से कोई विकल्प नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''केवल हमारी संप्रभुता, लोकतंत्र और स्वतंत्रता के प्रति ताइवान के लोगों की प्रतिबद्धता का सम्मान करके ही ताइवान जलडमरू मध्य में रचनात्मक बातचीत को फिर से शुरू करने की नींव रखी जा सकती है।'' ताइवानी राष्ट्रपति ने कहा कि देश ने विदेशी हार्डवेयर का आयात बढ़ाकर तथा घरेलू शस्त्र उद्योग के पुनरुद्धार तथा हथियारों के लिए प्रशिक्षण को उन्नत करके चीन के खतरे से अपनी रक्षा करने की कोशिशों को मजबूत किया है। साई के बयान के जवाब में, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने ताइवान के प्रति उसके तल्ख रुख को दोहराते हुए कहा, ''ताइवान.... एक स्वतंत्र राज्य नहीं है और इसका कोई तथाकथित राष्ट्रपति नहीं है।'' माओ ने संवाददाताओं से कहा, ''ताइवान जलडमरूमध्य में मौजूदा तनाव का मूल कारण यह है कि (सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी) अधिकारी ताइवान की स्वतंत्रता पर कायम हैं और उकसावे के लिए बाहरी ताकतों के साथ साठगांठ कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम शांतिपूर्ण वार्ता के लिये तैयार हैं, लेकिन ताइवान की स्वतंत्रता के मकसद से अलगाववादी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

किम-जोंग-उन को दक्षिण कोरिया ने दी चेतावनी,

उत्तर कोरिया की मिसाइलों को मार गिराने में सक्षम है हमारा देश

सियोल। (एजेंसी)।

दक्षिण कोरिया ने मंगलवार को कहा कि वह उत्तर कोरिया द्वारा हाल में छोड़ी गयी विभिन्न मिसाइलों का पता लगाने और उन्हें मार गिराने में समक्ष है। साथ ही उसने पड़ोसी देश के परमाणु कार्यक्रम को गंभीर सुरक्षा खतरा बताया। उत्तर कोरिया ने अपने विरोधियों पर परमाणु हमले के प्रतीकात्मक रूप में हाल में कई मिसाइलें छोड़ी। उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि मिसाइलें छोड़ने के उसके दो हफ्तों के अभ्यास में दक्षिण कोरिया तथा अमेरिका के ठिकानों पर संभावित हमले में परमाणु क्षमता से संपन्न बैलिस्टिक मिसाइल, युद्धक विमान और अन्य हथियार शामिल रहे।

उत्तर कोरिया ने कहा है कि हाल में किए गए उसके कई सारे मिसाइल प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया और अमेरिका के लिए ''एक स्पष्ट चेतावनी'' थे। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल ने अमेरिका के साथ मिलकर देश

की सुरक्षा को मजबूत बनाने के संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया से परमाणु खतरा ''दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है।'' उन्होंने सियोल में अपने कार्यालय में पत्रकारों से कहा, ''उत्तर कोरिया लगातार परमाणु हथियार क्षमताएं विकसित कर रहा है और अब वह न केवल दक्षिण कोरिया बल्कि पूरी दुनिया को धमका रहा है लेकिन मुझे लगता है कि उत्तर कोरिया को परमाणु हथियारों से कुछ हासिल नहीं होने वाला।''

दक्षिण कोरियाई रक्षा मंत्रालय में कार्यवाहक प्रवक्ता मून होंग सिक ने उत्तर कोरिया के परमाणु खतरों को ''बेहद गंभीर'' बताया। साथ ही उन्होंने पत्रकारों से कहा कि दक्षिण कोरिया की मिसाइल रक्षा प्रणाली उत्तर कोरियाई मिसाइलों का पता लगाने तथा उन्हें मार गिराने में सक्षम है। मून ने कहा कि उत्तर कोरिया पर बेहतर तरीके से नजर रखने के लिए दक्षिण कोरिया खुफिया उपग्रह, विभिन्न निगरानी ड्रोन और अतिरिक्त समुद्र आधारित टोही हथियार पेश करने पर ध्यान दे रहा है।

केटामाइन दवा 'इलाज रोधी अवसाद' से ग्रस्त लोगों की सोच बदलने में मददगार

सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)।

केटामाइन दवा, अवसाद से ग्रस्त ऐसे लोगों को ठीक करने के लिहाज से एक प्रभावी दवा है जिन पर अन्य किसी प्रकार के इलाज का असर नहीं हो रहाहै।इसके इस्तेमाल से अवसाद के लक्षणों में त्वरित और सतत रूप से कमी आती है। केटामाइन दवा का इस्तेमाल चिकित्सकों और पशु चिकित्सकों द्वारा मुख्यतः बेहोशी और दर्द नाशक के रूप में किया जाता है। फ्रांसीसी रोगियों पर किए गए एक छोटे अध्ययन ने इस बारे में गहरी अंतरदृष्टि प्रदान की है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक अवसाद से दुनिया के पांच फीसदी वयस्क प्रभावित हैं और दुनियाभर की बीमारियों के बोझ में इसका एक बड़ा योगदान है। अवसाद से व्यक्ति की संज्ञानात्मक क्षमता क्षीण होती जाती है जिसका प्रत्यक्ष बोध और जीवन की घटनाओं की व्याख्या करने से सीधा संबंध है। अवसाद से ग्रस्त लोग दुनिया को निराशावादी नजरिये से देखते हैं और इसे निरर्थक और आशाहीन समझते हैं। बहुत अधिक निराशा से ग्रसित (परवेसिव पेसिमिज्म) व्यक्ति उन सूचनाओ को ग्रहण करने से इनकार कर देता है, जो भविष्य के बारे में उसके मजबूत नकारात्मक विचारों के खिलाफ होती हैं।

बहुत अधिक अवसाद या बाइपोलर अवसाद से ग्रसित करीब एक तिहाई लोगों की हालत में महीनों तक इलाज के बावजूद कोई महत्वपूर्ण सुधार नहीं दिखा। लेकिन सोचने की प्रक्रिया पर पड़ने वाले केटामाइन के असर को तब बेहतर तरीके से समझा जा सकता है जब हम उन तरीकों पर विचार करते हैं जिनका इस्तेमाल स्वस्थ लोग सोचने में करते हैं। जब लोग कोई निर्णय लेते हैं, तो सामान्य तौर पर उपलब्ध चुनावों के संभावित परिणाम के बारे में पहले कुछ परिकल्पना करते हैं या अनुमान लगाते हैं शोध में इसके पहले पता चला था कि मानव में एक मजबूत सकारात्मक पूर्वाग्रह होता है।

इसके मुताबिक अधिकांश लोग सकारात्मक घटनाएं होने की संभाव्यता को आवश्यकता से अधिक आंकते हैं जैसे कि नौकरी लगने और लॉटरी जीतने की सफलता। इसी तरह लोग खुद से जुड़ी नकारात्मक घटनाओं की प्रत्याशा को कम करके आंकते हैं जैसे कि कार दुर्घटना या कैंसर रोग से पीड़ित होना। लोगों के अच्छी खबर पर विश्वास करने की संभावना अधिक होती है यदि यह उनसे संबंधित होती हैं, इस प्रभाव को 'अच्छी खबर/बुरी खबर पूर्वाग्रह' के रूप में देखते हैं।

हालांकि, इस बात के सबूत हैं कि लोगों के सकारात्मक पूर्वाग्रह उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बनाये रखने में मदद कर सकते हैं। अध्ययन से पता चला कि अवसाद से ग्रस्त लोगों में सकारात्मक पूर्वाग्रह का अभाव होता है। ऐसा लगता है कि इन विश्वासों का अवसाद और इलाज को निष्प्रभावी बनाने में अहम योगदान है। 'जेएएमए साइकेट्री' में पिछले हफ्ते प्रकाशित एक नए शोध में इस बात की पड़ताल की गई कि क्या केटामाइन सकारात्मक पूर्वाग्रह को फिर से

संजोने का काम करता है, दिमाग में कोई परिवर्तन करने पर क्या होता है और क्या इस परिवर्तन का लंबे समम तक अवसादरोधी प्रभाव दिखता है?

अध्ययन में 56 लोगों की तुलना की गई। एक समूह में 26 इलाज रोधी अवसाद से ग्रस्त मरीज थे, जबकि 'नियंत्रण' समूह के स्वस्थ प्रतिभागियों की संख्या 30 थी। इलाज रोधी अवसाद से ग्रस्त मरीजों को केटामाइन दवा दी गई, लेकिन नियंत्रित समूह को कोई दवा नहीं दी गई। उपलब्ध परिणाम के आधार पर शोधकर्ताओं ने पाया कि केटामाइन दिये जाने के बमुश्किल चार घंटे बाद ही इलाज रोधी अवसाद के मरीजों में त्वरित रूप से अवसाद निरोधक प्रभाव दिखा। एक अन्य अध्ययन में 24 घंटों बाद केटामाइन के इस प्रभाव का और अधिक असर दिखा। यह असर सतत था और एक हफ्ते बाद अवसाद में काफी कमी दिखी। अध्ययन से पता चला कि इलाज रोधी अवसाद से ग्रस्त मरीजों में केटामाइन के इस्तेमाल पर 'सकारात्मक पूर्वाग्रह' में काफी अधिक बढ़ोतरी हुई। हालांकि, इस दिशा में अभी और अध्ययन की जरूरत है।

भारत की एकतरफा जीत, तीसरे वनडे सीरीज में दक्षिण अफ्रीका को हराया, श्रृंखला पर 2-1 से कब्जा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के तीन एकदिवसीय श्रृंखला में 2-1 से अपना कब्जा जमा लिया है। दिल्ली में खेले गए आखिरी मुकाबले में भारत ने एकतरफा जीत हासिल की है। टीम इंडिया के कप्तान शिखर धवन ने टॉस जीतकर पहले दक्षिण अफ्रीका को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 99 रन पर ऑल आउट हो गई थी। भारत को जीत के लिए 100 रन बनाने थे। भारत में 100 रनों का लक्ष्य 3 विकेट के नुकसान पर 19.1 ओवर में हासिल कर लिया। भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन शुभमन गिल ने बनाए। गिल ने 8 चौकों की मदद से 49 रन बनाए। कप्तान शिखर धवन सिर्फ 8 रन का ही योगदान दे सकें। वही ईशान किशन भी 10 रन बनाकर आउट हो गए। बाद में श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल के बीच एक अच्छी साझेदारी हुई। आज के मुकाबले में भी श्रेयस अय्यर काफी लय में नजर आ रहे थे।

इस जीत के साथ ही भारत ने तीन एकदिवसीय मुकाबलों की श्रृंखला में 2-1 से से जीत हासिल कर ली है। पहला मुकाबला लखनऊ में खेला गया था जो कि बारिश से प्रभावित था। इस मुकाबले में भारत को हार मिली थी। बाद में भारतीय टीम ने रांची में शानदार वापसी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को हराया था। दिल्ली के आखिरी मुकाबले में भारत ने एकतरफा जीत हासिल की। वहीं, आज भारतीय गेंदबाजी का दम भी देखने को मिला। भारत के युवा गेंदबाजों ने 27.1 ओवर में दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम को 99 रनों पर ऑल आउट कर दिया। वाशिंगटन सुंदर दो, मोहम्मद सिराज दो, शहबाज अहमद दो और कुलदीप यादव के खाते में 4 विकेट गया। कुलदीप यादव ने 4.1 ओवर की गेंदबाजी करते हुए 1 मेडन डाला और 18 रन देकर चार विकेट चटकाए।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से हेनरिक क्लासेन (34) शीर्ष स्कोर रहे। उनके अलावा सलामी बल्लेबाज जानेमन मलान (15) और मार्को जेनसन (14) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए। दक्षिण अफ्रीका का इस साल यह दूसरा सबसे कम स्कोर है। इससे पहले टीम 22 जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में सिर्फ 83 रन पर सिमट गई थी। दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने 10 ओवर में 26 रन तक ही तीन विकेट गंवा दिए थे और टीम इससे कभी नहीं उबर पाई। लगातार दो दिन की बारिश के बाद पिच से गेंदबाजों को मदद मिल रही थी। भारत ने गेंदबाज का आगाज वाशिंगटन से हराया। उन्होंने अपने दूसरे और पारी के तीसरे ओवर में ही क्विंटन डिकॉक (06) को आवेश खान के हाथों कैच करा दिया।

बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग: करियर के सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करने में सफल हुए लक्ष्य सेन

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता लक्ष्य सेन बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की नवीनतम पुरुष एकल विश्व रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से करियर के सर्वश्रेष्ठ आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की पुरुष युगल जोड़ी भी शीर्ष 20 में जगह बनाने के करीब है।

यह जोड़ी मंगलवार को जारी रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से करियर की सर्वश्रेष्ठ 21वीं रैंकिंग पर पहुंच गयी हैं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू महिला एकल रैंकिंग में छठे स्थान पर बनी हुई हैं जबकि चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की जोड़ी आठवें स्थान पर है।

विश्व चैंपियनशिप 2021 में कांस्य पदक जीतने वाले 21 साल के सेन ने साल की शुरुआत इंडिया ओपन में स्वर्ण पदक के साथ की थी। वह प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप और जर्मन ओपन में उप विजेता रहे। सेन भारत की थॉमस कप में पहली खिताबी जीत के दौरान टीम के अहम सदस्य थे।

फॉर्म में चल रहे अर्जुन और ध्रुव की जोड़ी ने साल की शुरुआत 42वें स्थान से करने के बाद रैंकिंग में अच्छी प्रगति की है। हाल में इंडिया महाराष्ट्र इंटरनेशनल चैलेंज का खिताब जीतने वाले अर्जुन और ध्रुव को उलटफेर करने के लिए जाना जाता है। इस जोड़ी ने इस साल विश्व चैंपियनशिप में सिर्फ 40 मिनट में किम एस्ट्रूप और एंडर्स रासमुसेन की डेनमार्क की दुनिया की आठवें नंबर की जोड़ी को हराया था।

टी20 रैंकिंग: दीप्ति शर्मा ने हासिल की करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग, इस्माइल को छोड़ा पीछे

दुबई (एजेंसी)।

भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने महिला एशिया कप 2022 में शानदार प्रदर्शन की बदौलत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ आईसीसी टी20 रैंकिंग हासिल कर ली है। आईसीसी की ओर से मंगलवार को जारी रैंकिंग के अनुसार दीप्ति ने टी20 महिला गेंदबाजों की रैंकिंग में 724 पॉइंट के साथ तीसरा स्थान हासिल किया है। शर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन विकेट और बांग्लादेश और थाईलैंड के खिलाफ दो-दो विकेट लिए और तीन स्लॉट आगे बढ़कर गेंदबाजों की रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर पहुंच गई। उन्होंने साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज शबनीम इस्माइल को पीछे छोड़ दिया है और अब वह केवल इंग्लैंड के स्पिनरों सोफी एक्लेस्टोन और सारा ग्लेन से पीछे है।

शर्मा भी बल्लेबाजों में एक स्थान ऊपर 35वें स्थान पर पहुंच गई हैं और ऑस्ट्रेलिया के एशले गार्डनर को पछाड़कर हरफनमौला खिलाड़ियों में तीसरे स्थान पर हैं। ऑलराउंडरों में उनका नंबर तीन का स्थान भी करियर की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि है। भारत की रेणुका सिंह (तीन पायदान के फायदे से आठवें स्थान पर), स्नेह राणा (30 पायदान के फायदे से 15वें स्थान पर) और पूजा वस्त्राकर (सात पायदान के फायदे से 28वें स्थान पर) ने गेंदबाजों की रैंकिंग में सुधार किया है।

महिला एशिया कप: थाईलैंड पहली बार महिला एशिया के सेमीफाइनल में पहुंचा , बांग्लादेश बाहर हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

महिला एशिया में मंगलवार को बारिश के कारण मेजबान बांग्लादेश और यूएई के बीच मुकाबला नहीं हो पाया। इस मैच के रद्द होते ही बांग्लादेश की टीम एशिया कप से बाहर हो गयी। वहीं भारत, श्रीलंका और पाकिस्तान के साथ ही थाईलैंड की टीम पहली बार एशिया कप के सेमीफाइनल में पहुंची है। बांग्लादेश को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अपने अंतिम मैच से दो अंक हासिल करने थे पर वह उसमें नाकाम रही। बारिश के कारण मैच नहीं हो पाने से उसे केवल एक अंक ही मिला। मैच रद्द होने के कारण बांग्लादेश के 6 मैच में पांच अंक ही हो पाये। मेजबान टीम ने ग्रुप स्तर पर दो मैच ही जीते थे जबकि थाईलैंड की टीम ने यूएई, मलेशिया और पाकिस्तान को हराया था। इस प्रकार उसके 5 मैच में कुल 6 अंक ही हो पाये और वह ग्रुप स्तर पर चौथे स्थान पर ही पहुंच पायी। वहीं भारत, पाक और श्रीलंका की टीमें पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं।

इस टूर्नामेंट का अंतिम ग्रुप मैच पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच सिलहट में खेला जाना पर बारिश के कारण यह मैच भी शायद ही हो पाये। यह दोनो ही टीमें पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। ऐसे में इस मुकाबले का महत्व केवल इतना है कि सेमीफाइनल में कौन सी टीम किससे खेलेगी। अगर यह मुकाबला भी रद्द होता है तो पाकिस्तान और श्रीलंका को एक-एक अंक मिलेंगे। उस स्थिति में पाक ओर श्रीलंका दोनों के ही 6-6 मैच में 9 अंक हो जाएंगे। पाक का नेट रन रेट (2.101) श्रीलंका (1.205) से अच्छा है। ऐसे में पाक टीम दूसरे स्थान पर ही रहेगी। भारतीय टीम अभी अंक तालिका में 10 अंकों के साथ ही शीर्ष पर है। वहीं अगर पाक टीम अगर अंतिम ग्रुप मैच में श्रीलंका को हरा देती है, तो उसके भी 6 मैच में भारतीय टीम के बराबर 10 अंक हो जाएंगे। तब पहले स्थान का फैसला, नेट रन रेट के आधार पर होगा।

टी20 विश्वकप में ऋषभ की जगह पर कार्तिक को अंतिम ग्यारह में शामिल करें : सबा

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व चयनकर्ता सबा करीम ने कहा है कि आगामी 16 अक्तूबर से ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर दिनेश कार्तिक को अंतिम ग्यारह में जगह मिलनी चाहिये। सबा के अनुसार ऋषभ पंत की जगह पर कार्तिक को रखना ज्यादा बेहतर रहेगा। उनके अनुसार कार्तिक ही टीम प्रबंधन की पहली पसंद रहेंगे क्योंकि हाल के दिनों में उनका खेल फिनिशर के तौर पर बेहतर रहा है। इस पूर्व क्रिकेटर के अनुसार भारतीय टीम अगर फिनिशर के तौर पर कार्तिक को रखती है तो यह भारतीया टीम के लिए अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम को नंबर 6 के लिए इसी प्रकार के बल्लेबाज की जरूरत होगी। कार्तिक नंबर 6 पर आकर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं जबकि ऋषभ का प्रदर्शन इस क्रम पर विशेष नहीं रहा है। हाल के दिनों में ऋषभ कोई बड़ा स्कोर नहीं बना पाये हैं, ऐसे में उनकी दावेदारी कमजोर नजर आती है।

टी20 मुश्ताक अली ट्रॉफी - पृथ्वी की आक्रामक पारी से मुम्बई ने मिजोरम को नौ विकेट से हराया

राजकोट । पृथ्वी शॉ की शानदार पारी से टी20 मुश्ताक अली ट्रॉफी से शुरु हुए घरेलू सत्र के पहले ही मैच में मुम्बई ने मिजोरम को नौ विकेट से हरा दिया। इस मैच में मिजोरम की टीम ने पहले खेलते हुए 8 विकेट पर 98 रन बनाये। केवल श्रीवत्स गोस्वामी ही 31 रन तक पहुंच पाये जबकि बाकि बल्लेबाज सस्ते में ही आउट हो गये। वहीं मुंबई की ओर से धवल कुलकर्णी , शम्स मुलानी और तानुष कोटियान ने 2-2 विकेट लिए। इसके बाद मुंबई की टीम ने जीत के लिए मिले लक्ष्य को 10.3 ओवरों में ही एक विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। पृथ्वी ने 34 गेंद पर 55 रन बनाये। उनका स्ट्राइक रेट 162 का रहा। अपनी इस पारी में पृथ्वी ने 9 चौके और एक छक्का लगाया। अपनी इस पारी के जरिये पृथ्वी ने टीम इंडिया में वापसी की अपनी दावेदारी पेश की है। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान अजिंक्य रहाणे केवल 7 गेंद पर 9 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद पृथ्वी और अमन खान ने टीम संभाला ओर उसे लक्ष्य तक पहुंचाया। अमन ने 22 गेंद पर 39 रन बनाये और वह भी नाबाद रहे। अपनी इस पारी में अमन ने पांच चौके और दो छक्के लगाये। इस दोनो के बीच 91 रन की नाबाद साझेदारी हुई। इससे पहले मुंबई ने टॉस जीतकर पहले मिजोरम को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मिजोरम की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और उसकी आधी टीम 66 रनों के अंदर ही पेवेलियन लौट गयी। केवल श्रीवत्स ने 29 गेंद पर 31 रन बनाए और विकास कुमार ने 24 रन बनाए। टीम के केवल तीन बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये।

नेशनल गेम्स से पेरिस ओलंपिक के लिए मजबूत हॉकी टीम बनाने में मदद मिलेगी: रीड

राजकोट (एजेंसी)।

भारतीय पुरूष हॉकी के मुख्य कोच ग्राहम रीड 36वें राष्ट्रीय खेलों में प्रतिस्पर्धा के स्तर से बहुत खुश हैं और उन्होंने कहा कि इससे 2024 पेरिस ओलंपिक के लिये मजबूत टीम बनाने में मदद मिलेगी । रीड यहां आठ टीमों की हॉकी स्पर्धा का फाइनल देखने आये हैं । उन्होंने कहा,'' मैं पहली बार राष्ट्रीय खेल देख रहा हूं । मैं यही कहूंगा कि खेल सही समय पर हो रहे हैं । सबसे अहम बात यह है कि कई युवाओं ने अपनी प्रतिभा की बानगी पेश की है जो पेरिस ओलंपिक के लिये टीम तैयार करने में काम आयेगा ।'

तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम के कोच रहे रीड खिलाड़ियों के कौशल से प्रभावित हैं लेकिन उन्होंने कहा कि आगे जाने के लिये उन्हें सुधार करने होंगे । उन्होंने कहा, 'राष्ट्रीय खेलों में व्यक्तिगत कौशल देखने को मिला लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल अलग तरह का होता है । व्यक्तिगत कौशल चाहिये लेकिन खिलाड़ियों को हालात के अनुरूप ढलना होगा ।' कोच ने कहा कि मौजूदा भारतीय टीम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ बन सकती है । उन्होंने कहा,'टीम इंडिया के हर सदस्य का फोकस हालात के अनुरूप ढलने पर होना चाहिये ।'

रीड ने हाल ही में एफआईएच वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाले हरमनप्रीत सिंह और सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर बने पी आर श्रीजेश की तारीफ की । उन्होंने कहा ,'' हरमनप्रीत ने शानदार प्रदर्शन किया । वह अपने प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं होता और लगातार सीखना चाहता है । श्रीजेश का प्रदर्शन भी शानदार रहा है और गोलकीपरों का कैरियर दूसरे खिलाड़ियों से लंबा होता है ।

'असफल क्रिकेटर' कहे जाने पर आकाश चोपड़ा ने ट्रोलर को दिया करारा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने क्रिकेट की दुनिया में कमेंटेटर और क्रिकेट एक्सपर्ट के तौर पर अलग पहचान बनाई है। इसी का नतीजा है कि उनका नाम कमेंटेटर और क्रिकेट एक्सपर्ट के तौर पर प्रमुखता से लिया जाता है। हालांकि, यह कोई छिपी हुई बात नहीं कि क्रिकेट एक्सपर्ट के तौर से जाने वाले आकाश चोपड़ा का खुद का क्रिकेट करियर शानदार नहीं रहा। इसी का नतीजा है कि वह सोशल मीडिया पर अपने करियर को लेकर ट्रोल होते रहते हैं। उनके करियर पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर एक यूजर ने उन्हें ट्रोल करते हुए 'असफल क्रिकेटर' करार दिया, जिस पर चोपड़ा ने अब अपनी चुप्पी तोड़ी है।

सोशल मीडिया यूजर ने चोपड़ा द्वारा साझा किए गए एक वीडियो पर टिप्पणी करते हुए लिखा,÷कृपया अपना करियर भी बताएं। यह क्या है? आप क्रिकेट के बारे में कैसे बात कर सकते हैं? जब आप एक असफल क्रिकेटर हैं।'

इसी ट्रोल को लेकर चोपड़ा ने करारा जवाब देते हुए लिखा, 'मैंने आपका नाम गूगल किया ... आपका क्रिकेट में कोई करियर नहीं मिला और न ही किसी अन्य खेल में। आप मेरे बारे में कैसे बात कर सकते हैं ?? जब आप जीवन में एक --- व्यक्ति हैं?

गौर हो कि चोपड़ा का भारतीय टीम में करियर कुछ खास नहीं था। उनको भारत के लिए केवल 10 टेस्ट मैचों में ही खेलने का मोका मिला, जिसमें उन्होंने 23 की औसत से 437 रन बनाए। उनको भारत के लिए ODI या T20I में खेलने का मौका नहीं मिला। चोपड़ा इंडियन प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए भी खेले, लेकिन 6 इनिंग में केवल 53 रन बना पाए।

इटली के शहर फ्लोरेंस में 28 साल बाद एटीपी टूर की वापसी, वुल्फ ने मेस्ट्रेली को हराया

फ्लोरेंस। इटली के शहर फ्लोरेंस में 28 साल बाद एटीपी टूर्नामेंट की वापसी पर अमेरिका के जेजे वुल्फ ने फिरेंजे ओपन टेनिस प्रतियोगिता के पहले दौर में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले स्थानीय खिलाड़ी फ्रांसेस्को मेस्ट्रेली पर तीन सेट में जीत हासिल की। पहली बार किसी एटीपी टूर्नामेंट के मुख्य ड्रा में खेल रहे मेस्ट्रेली ने पहले गेम में ही वुल्फ की सर्विस तोड़ दी थी और उन्होंने यह सेट भी जीता लेकिन अमेरिकी खिलाड़ी ने शानदार वापसी कर के आखिर में 4-6, 6-2, 6-1 से जीत दर्ज की। वुल्फ का अगला मुकाबला हमवतन अमेरिकी और चौथी वरीयता प्राप्त मैक्सिम क्रेसी से होगा। स्पेन के रॉबर्टो कारबॉल्स बेना ने डेनियल इलाही गैलान को 6-2, 6-1 से हराया और अब वह दूसरी वरीयता प्राप्त माटेओ बेरेटिनी से भिड़ेंगे। टैलन ग्रीक्सपूर के आधे मैच से हट जाने के कारण पांचवीं वरीयता प्राप्त असलान करात्सेव भी अगले दौर में पहुंच गए। अल्तुग सेलिकबिलेक और कोरेंटिन मौटेट भी दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रहे। फ्लोरेंस ने इससे पहले टूर स्तर की प्रतियोगिता 1994 आयोजित की गई थी।

सिंधू को दिसंबर में विश्व टूर फाइनल तक फिट होने की उम्मीद

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को उम्मीद है कि टखने की चोट के कारण अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट से लंबे ब्रेक के बाद वह दिसंबर में सत्रांत विश्व टूर फाइनल्स के दौरान वापसी करने में सफल रहेंगी। अंतरराष्ट्रीय सर्किट में सबसे फिट खिलाड़ियों में शामिल सिंधू को अगस्त में बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान बाएं पैर में स्ट्रेस फ्रेक्चर हो गया था। 'ब्रेव टुगेदर कैपेन' की ब्रांड दूत सिंधू ने पीटीआई से कहा, ''सकारात्मक पक्ष यह है कि ब्रेक लेने के लिए मुझे लगता है कि सिर्फ यही समय था क्योंकि अगला साल काफी व्यस्त होने वाला है और लगातार टूर्नामेंट होंगे।'' उन्होंने कहा, ''नकारात्मक पक्ष यह है कि चोट के कारण मुझे ब्रेक लेना पड़ा। लेकिन यह महत्वपूर्ण है क्योंकि आपको अपने शरीर का ध्यान रखना होगा और सुनश्चित करना होगा कि आप पूरी तरह फिट और ठीक रहें। आपको खेल के स्तर से निपटने के लिए खुद को फिट बनाए रखना होगा।'' सिंधू ने कहा, ''जल्दी उबरना महत्वपूर्ण होता है। मैं बेहतर हो रही हूं और उम्मीद करती हूं कि दिसंबर में खेलना शुरू कर दूंगी।'' सिंधू इस महीने डेनमार्क ओपन (18 से 23 अक्टूबर) और फ्रेंच ओपन (25 से 30 अक्टूबर) में हिस्सा नहीं हो पाएंगी जो बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 750 प्रतियोगिता है। विश्व टूर फाइनल्स का आयोजन 14 से 18 दिसंबर तक चीन के ग्वांग्झू में किया जाएगा। यह पूछने पर कि क्या यह लक्ष्य है तो सिंधू ने कहा, ''हां, बेशक। मैं डेनमार्क और पेरिस में नहीं खेल रही हूं। लेकिन उम्मीद करती हूं कि वहां खेल पाऊंगी।''

वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया को झटका! उमरान मलिक और कुलदीप सेन नहीं जा पाए ऑस्ट्रेलिया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टीम इंडिया इस वक्त टी20 विश्व कप में शामिल होने के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। भारत को अपना पहला मुकाबला 23 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेलना है। टीम इंडिया इसके लिए जमकर तैयारी भी कर रही है। अपना पहला प्रैक्टिस मुकाबला भी टीम इंडिया ने खेल लिया है और अब दूसरे मैच की तैयारी चल रही है। टी 20 विश्व कप के लिए टीम इंडिया में 15 खिलाड़ियों का चयन हुआ है। हालांकि जसप्रीत बुमराह के चोटिल हो जाने के बाद अभी खिलाड़ियों की संख्या 14 ही है। जसप्रीत बुमराह के रिप्लेसमेंट के नाम का ऐलान नहीं हुआ है। इन सबके बीच नेट में गेंदबाजी करने के लिए तेज गेंदबाज उमरान मलिक और कुलदीप सेन को ऑस्ट्रेलिया भेजा जाना था। लेकिन वह नहीं जा सके।

ऑस्ट्रेलिया जाने से छूटने के बाद उमरान मलिक ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी को खेलना शुरू कर दिया है। हालांकि, इस बीच अब यह भी पता चल गया है कि उमरान मलिक और कुलदीप सेन ऑस्ट्रेलिया क्यों नहीं जान सके हैं। दरअसल, वीजा मुद्दों के कारण दोनों खिलाड़ियों के आस्ट्रेलिया रवाना होने में देरी हुई है। उमरान मलिक और कुलदीप सेन को नेट बॉलर के रूप में चुना गया था। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि उमरान मलिक और कुलदीप सेन आगे की उड़ान ऑस्ट्रेलिया के लिए कब करेंगे तथा साथ ही साथ मुस्ताक अली ट्रॉफी में कितने मुकाबले खेल पाएंगे। उमरान मलिक, मोहम्मद सिराज और कुलदीप सेन को पर्थ में भारतीय टीम के साथ 6 अक्टूबर को उड़ान भरनी थी। लेकिन वीजा मामलों में क्लीयरेंस नहीं मिलने के बाद यह उड़ान नहीं भर सके।

हालांकि, बाद में मोहम्मद सिराज को एकदिवसीय टीम में शामिल कर लिया गया। कुछ ऐसे भी खिलाड़ी है जो थोड़ा लेट से ऑस्ट्रेलिया के लिए उड़ान भरेंगे। वर्तमान में टीम के उप कप्तान श्रेयस अय्यर ऑस्ट्रेलिया के लिए जल्द ही रवाना होंगे। उनके साथ मोहम्मद शमी और दीपक चहर भी जाएंगे। खबर के मुताबिक के यह सभी खिलाड़ी 12-13 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो सकते हैं। ऐसे में इस बात की उम्मीद की जा रही है कि उमरान मलिक और कुलदीप सेन भी 12 अक्टूबर को इन खिलाड़ियों के साथ ऑस्ट्रेलिया जा सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया में काफी तेज और सपाट पिच होती है। कुलदीप सिंह और उमरान मलिक काफी तेज गेंदबाजी करते हैं। ऐसे में प्रैक्टिस में टीम इंडिया को बड़ी मदद मिल सकती थी।

छत्तीसगढ़ :ईडी-आईटी की कार्रवाई,डराने की कोशिश -मुख्यमंत्री

रायपुर, : प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार की सुबह रायपुर, दुर्ग, रायगढ़ और महासमुंद के कई ठिकानों पर दबिश दी है।मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसे लेकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि ईडी-आईटी की कार्रवाई से डराने की कोशिश की जा रही है।

उत्तर प्रदेश रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि कहा, भाजपा सीधे लड़ नहीं पा रही है तो ईडी-आईटी, डीआरआई के माध्यम से लड़ने की कोशिश कर रही है। मैं पहले ही कह चुका हूं कि ये और आएंगे। यह आखिरी नहीं है। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएगा इनकी यात्राएं बढ़ेंगी। यह डराने-धमकाने का ही काम है। उसके अलावा कुछ नहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा, एक तो ये परेशान

करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं पहले ही कह चुका हूं कि साढ़े छह हजार करोड़ का चिटफंड कंपनियों में लोगों का पैसा डूबा है। उसमें संज्ञान लें, उसमें कुछ करेंगे नहीं। लेकिन जनता जान चुकी है कि भाजपा लड़ नहीं पा रही है तो सेंट्रल एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है।मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि चुनाव तक इस तरह की कार्रवाई होगी। लेकिन जनता जान चुकी है, केंद्र में बैठी भाजपा सरकार कैसे सेंट्रल एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है।

राज्य में इन छापों को लेकर प्रदेश कांग्रेस समिति के संचार विभाग के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि हमें पहले से आशंका थी कि जब छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी सीधी राजनीतिक लड़ाई नहीं लड़ पाएगी तो केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग करेगी। मुख्यमंत्री ने भी कई बार इसकी आशंका जाहिर की थी।

उन्होंने कहा कि यदि कानून सम्मत कार्रवाई की जाए तब कोई दिक्कत नहीं है लेकिन भाजपा दबाव बनाने के लिए राजनीतिक विद्वेष के कारण इस प्रकार से केंद्रीय एजेंसियों का पूरे देश में दुरूपयोग कर रही है, वह निंदनीय है। कांग्रेस पार्टी इस तरह की कुचालों से डरने वाली नहीं है। हम इनका मुकाबला करेंगे। हम इन्हें जनता के सामने बेनकाब करेंगे।

उल्लेखनीय है कि प्रवर्तन निदेशालय ने आज रायपुर, दुर्ग, रायगढ़ और महासमुंद के कई ठिकानों पर दबिश दी है। ईडी ने रायपुर मेंआईएएस जेपी मौर्य, समीर विश्नोई , कोयला कारोबारी सूर्यकांत तिवारी, महासमुंद में रहने वाले उनके ससुर और पूर्व कांग्रेसी विधायक अग्नि चंद्राकर, अजय नायडू, रायगढ़ कलेक्टर रानू साहू, युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष जसमीत बादल मक्कड़ सहित रियल स्टेट व्यापारी सन्नी लुनिया,देवेंद्र नगर में रहने वाले सीए विजय मालू, कोयला व्यापारी सुनील अग्रवाल, कोयला व्यपारी जय अम्बे ट्रांसपोर्ट के पार्टनर नवनीत तिवारी, शराब कारोबारी अमोलक भाटिया के ठिकानों पर छापे की कार्रवाई की है।

कोंड़ागांव : मारंगपुरी में आओ गढ़े संस्कारवान पीढ़ी के अंर्तगत कार्यशाला का आयोजन

कोंड़ागांव: जिले के विकासखंड बडेराजपुर के ग्राम मारंगपुरी में शांति कुंज हरिद्वार के तत्वावधान में आओ गढ़े संस्कारवान पीढ़ी के अंर्तगत मंगलवार को जिला स्तरीय कार्यक्रम गर्भउत्सव संस्कार कार्यशाला ७० माता एवं बहनों की उपस्थिति मे सम्पन्न हुआ। जिसमें १० गर्भवती माताओं का एककुण्डिय यज्ञ के माध्यम से पुंसवन संस्कार कराया गया।

इस दौरान मंजू सेन, दुर्गा साहू एवं जनपद उपाध्यक्ष श्यामा साहू के द्वारा गर्भउत्सव संस्कार के अंतर्गत गर्भज्ञान विज्ञान, गर्भ संवाद, गर्भवती माताओं के दिनचर्या, आहार संतुलित, सात्विक, संस्कारित भोजन के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। एवं भाइयों का कार्यक्रम को सफल बनाने में भरपूर सहयोग रहा कार्यक्रम का सफल संचालन यतीश साहू के द्वारा किया गया

बलौदाबाजार : कार्य में लापरवाही, सचिव निलंबित

बलौदाबाजार: कलेक्टर रजत बंसल के निर्देश पर जिला पंचायत सीईओ गोपाल वर्मा ने आज ग्राम पंचायत सिनोधा अतिरिक्त प्रभार सेल के ग्राम सचिव सुखसागर कश्यप को निलंबित कर दिया गया है।

उक्त कार्रवाई गौठान में लापरवाही मवेशियों को सही समय मे चारा पानी की व्यवस्था नही करनें एवं लापरवाही से गायों की मृत्यु होने के चलते की गयी है। इसके साथ सरपंच एवं गौठान प्रबंधन समिति के अध्यक्ष से भी जवाब तलब किया गया है।

धमतरी-नौ सूत्री मांगों को लेकर किसान संघ ने किया प्रदर्शन, उचित मुआवजे की मांग

धमतरी: प्रति एकड़ फसल अधिक मात्रा में खरीद करने, रेलवे प्रभावित किसानों को अधिक मुआवजा, सड़क मरम्मत, शराबबंदी समेत नौ सूत्री मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ किसान यूनियन ने प्रदर्शन किया।प्रदर्शन के बाद शासन के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

छत्तीसगढ़ किसान यूनियन प्रदेश संयोजक लीलाराम साहू, जिलाध्यक्ष घनाराम साहू ने कहा कि किसानों की खरीफ फसल में धान की प्रति एकड़ फसल उत्पादन २२ से २५ क्विंटल होता है और सरकार द्वारा १४ क्विंटल ८० किलो प्रति एकड़ धान की खरीद की जाती है। २०१४ के पहले किसानों की धान की उपज की खरीद २२ से २४ क्विंटल की जाती थी, लेकिन २०१४ के बाद उसको कम कर दिया गया है।बाकी बची फसल को किसान औने-पौने कीमत में बेचने पर मजबूर होते हैं। आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ता है। इस परिस्थिति को देखते हुए किसानों की संपूर्ण की खरीद की जाए। इसी तरह से धमतरी जिले के रेल प्रभावित किसानों को रायपुर जिले के किसान के बराबर मुआवजा दिया जाए। किसानों को को रेल विभाग से प्रत्येक वर्ष लाभांश भी मिलना चाहिए।

कोलियारी से लेकर खरेंगा, दोनर सड़क मार्ग मरम्मत एवं चौड़ीकरण की जाए। शराब पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध, महानदी से अवैध रेत उत्खनन पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध,बिजली कटौती पर रोक, न्यूनतम समर्थन मूल्य गारंटी कानून लागू की जाए। किसानों की फसल बीमा में किसानों को आधार मानकर फसल बीमा का लाभ मिले। रमन सरकार के दो वर्ष के बचे हुए बोनस राशि को दिए जाने की मांग एवं धान खरीद में सरकार बरदाना की व्यवस्था की मांग शामिल है।

इस अवसर पर महावीर साहू जिला महासचिव, सुदर्शन ठाकुर कोषाध्यक्ष, राम निहोरा निषाद जिला उपाध्यक्ष ,शरद पंडा कुरूद संयोजक, ताराचंद साहू सहसंयोजक, राजेंद्र साहू चिटौद सेक्टर प्रभारी कुरूद, संजय साहू सेहाडबरी ,पुष्कल साहू ब्लाक अध्यक्ष धमतरी, भुवन सिन्हा ,दीनदयाल साहू ,पवन साहू मधु लाल साहू ,अमृत लाल यादव ,सुभाष साहू, नरेश साहू, टेकराम साहू, जगत राम साहू, सोम साहू ,कृष्णा चंद्राकर ,राजेश साहू, अघनु राम साहू, देवनाथ साहू, ईश्वर साहू, गोविंद राम, तुकाराम, तीरथ राम साहू, हेमराज साहू, मनोज कुमार प्रेमलाल तुलसीराम उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ देश और दुनिया के सामने शर्मसार -डॉ रमन सिंह

रायपुर:छत्तीसगढ़ ना केवल देश और दुनिया के सामने शर्मसार हुआ है बल्कि छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया कहलाने वाले छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार का नया झंडा गाड़ा जा रहा है। हमने कभी कल्पना नहीं किया था कि चालीस-चालीस घरों में ईडी छापा मारेगी।यह बात मंगलवार को अपने निवास स्थान में आयोजित एक पत्रवार्ता में पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने कही है। उल्लेखनीय है कि आज सुबह लगभग ५:०० से ७:०० के बीच ईडी की टीम ने रायगढ़ कलेक्टर रानू साहू उनके पति आईएएस जे.पी मौर्या, आईएएस समीर बिश्नोई समेत कई अधिकारियों और व्यवसाइयों के निवास पर छापेमारी की है।

प्रेस वार्ता के दौरान छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि शायद हिंदुस्तान के इतिहास में पहली बार हुआ होगा कि किसी जिले में सीटिंग कलेक्टर के घर पर ईडी की रेड हुई और शासकीय आवास को सील करने की कार्यवाही की गई हो।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल ,कांग्रेस पार्टी, सोनिया गांधी के एटीएम है।अवैध वसूली की बात करते हुए उन्होंने कहा कि कोयले के ऊपर से अवैध वसूली वर्षों से हो रही है। जिसकी कीमत कई हजार करोड़ होगी।जो इस कदर खुलेआम हो रहा है कि कोरबा के पान ठेले वाले से कलेक्टर तक सब जानते हैं कि पैसा कौन लेता है और कहां जाता है।अब भूपेश टैक्स की काली कमाई की पोल खुलने लगी है ,सब सच सामने आएगा, प्रक्रिया चल रही है। इसके अलावा कांग्रेस की तरफदारी करने वाले अधिकारियों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि अब भी वक्त है पंजा छाप अधिकारी संभल जाएं।यदि भ्रष्टाचार में लिप्त रहोगे तो कहीं भी बचने वाले नहीं हो। आप ईमानदारी से काम करिए ज्यादा समय नहीं है।एक साल का समय बाकी है ,आज का हश्र देखकर सावधान हो जाए।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि जब आईडी का रेड पड़ी तब से वह बोल रहे हैं कि ईडी आएगा। जब इस दिन का इंतजार था तो अब घबरा क्यों रहे हैं। इस सरकार के पास छत्तीसगढ़ का विकास करने के लिए पैसे नहीं है ,लेकिन वसूली करके असम, यूपी आदि जगह के चुनाव में भेजने के लिए पर्याप्त पैसे हैं। आज तो यह शुरुआत है आने वाले समय में जब एक-एक तथ्य सामने आएंगे यह सरकार जनता को जवाब देने योग्य नहीं रहेगी।

सड़कों को लेकर उन्होंने कहा कि पहली बार इतिहास में ऐसा हुआ है कि कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में की गई २ घंटे की चर्चा में सड़क के निर्माण की चर्चा नहीं हुई।बल्कि उसमें से डेढ़ घंटे सिर्फ गड्ढों पर चर्चा होती रही ,जबकि ये गड्ढे सवा साल, डेढ़ साल में भरने वाले नहीं है।

सीएम भूपेश बघेल द्वारा पाटन विधानसभा में पुरे बस्तर और सरगुजा से भी ज्यादा खर्च करने पर उन्होंने कहा कि जब लगभग १७०० करोड़ की राशि पाटन में देंगे तो बाकी छत्तीसगढ़ तो पूछेगा कि हमारी सड़कों के गड्ढे क्यों नहीं भरे गए।इसके साथ ही गोठान तथा गोधन न्याय योजना की बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस शासन व्यवस्था में आवास और शराब की तरह ही गौठान और गोबर एक बड़ी समस्या है।इसकी पोल भी हम जल्द ही आंकड़ों तथा प्रमाणिकता के साथ खोलेंगे।हम तो लड़ाई लड़ रहे हैं और अब जनता भी तैयार हो चुकी है और जनता के मन में भीषण आक्रोश है।

बीजापुर : महेश गागड़ा कांग्रेस की सदस्यता लेने वालों नक्सलियों का नाम सार्वजनिक करें : विक्रम मंडावी

बीजापुर: जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रेस वार्ता आयोजित कर भाजपा और महेश गागड़ा के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि, कोई भी कानून से ऊपर नहीं है, अगर कोई गलत काम करता है तो कानून अपना काम करेगा। उन्होंने कहा कि, पूर्व विधायक महेश गागड़ा पहले यह बताने की कृपा करें कि कौन-कौन नक्सली है उनके ऊपर जरूर कार्यवाही होगी। उन्होंने कहा कि, किसी भी कांग्रेसी कार्यकर्ता का संबंध नक्सलियों से नहीं है। यदि महेश गागड़ा ये जानते है कि किसी कांग्रेसी कार्यकर्ता का संबंध नक्सलियों से है और उस संबंध में उनके पास सबूत है तो प्रशासन के समक्ष रखें। उन्होंने कहा कि, महेश गागड़ा का यह कहना कि, नक्सलियों ने कांग्रेस की सदस्यता ली है और महेश गागड़ा ऐसे किसी नक्सली को जानते हैं जिन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ली है ऐसे लोगों का नाम वे सार्वजनिक करें।

विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि, दंतेवाड़ा के भाजपा उपाध्यक्ष जगत पुजारी, कांकेर के सांसद प्रतिनिधि रहे धर्मेंद्र चोपड़ा, भैरमगढ़ भाजपा

मंडल अध्यक्ष गुट्टाराम कश्यप जैसे लोगों का संबंध सीधे नक्सलियों से था और भी भाजपा नेता है जिनका संबंध नक्सलियों से है, आने वाले समय में कांग्रेसी उन नामों का खुलासा भी करेगी।

उन्होंने कहा कि, कांग्रेस ने अपने कई नेताओं को नक्सली घटनाओं में खोया है, जिसका सबसे बड़ा उदाहरण झीरम घटना है। इसके अलावा जिले के स्वर्गीय बुधराम राणा, स्वर्गीय सीका मांझी,स्वर्गीय बुधराम कश्यप जैसे बड़े कांग्रेसी नेता है जिन्हें कांग्रेस ने खोया है।

व्यापार

सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट, ५१ हजार से नीचे पहुंचा सोना

नई दिल्ली: भारतीय सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन गिरावट का रुख बना रहा। बिकवाली के दबाव की वजह से बाजार में आज सोना और चांदी दोनों धातुओं में कमजोरी आई। सोने और चांदी में ये कमजोरी करवा चौथ से दो दिन पहले आई है, जब पारंपरिक तौर पर लोग सोना-चांदी की खरीदारी करना पसंद करते हैं।

करवा चौथ के दो दिन पहले आज आज सोने की अलग अलग श्रेणियों में ३४९ रुपये प्रति १० ग्राम से लेकर २०४ रुपये प्रति १० ग्राम की कमजोरी दर्ज की गई। इसी तरह चांदी भी आज के कारोबार में प्रति किलोग्राम १,०६८ रुपये गिर गया। इस गिरावट के साथ ही आज सोना एक बार फिर ५१ हजार रुपये के स्तर से और चांदी ५८ हजार रुपये के स्तर से नीचे लुढ़क गया।

इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक घरेलू सर्राफा बाजार में आज कारोबारी यानी २४ कैरेट (९९९) सोने की औसत कीमत ३४९ रुपये की कमजोरी के साथ गिरकर ५०,७७१ रुपये प्रति १० ग्राम (अस्थाई) हो गई। इसी तरह २३ कैरेट (९९५) सोने की कीमत भी ३४७ रुपये की गिरावट के साथ ५०,५६८ रुपये प्रति १० ग्राम (अस्थाई) हो गई। जेवराती यानी २२ कैरेट (९१६) सोने की कीमत में आज ३२० रुपये प्रति १० ग्राम की कमजोरी दर्ज की गई।

इसके साथ ही २२ कैरेट सोना ४६,५०६ रुपये प्रति १० ग्राम (अस्थाई) के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा १८ कैरेट (७५०) सोने की कीमत में आज प्रति १० ग्राम २०४ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट के साथ १८ कैरेट सोना ३८,०७८ रुपये प्रति १० ग्राम (अस्थाई) के स्तर पर पहुंच गया। १४ कैरेट (५८५) सोना भी आज २०४ रुपये टूटकर २९,७०१ रुपये प्रति १० ग्राम (अस्थाई) के स्तर पर पहुंच गया।

सर्राफा बाजार में आज चांदी की कीमत में भी तेज गिरावट का रुख बना। आज बिकवाली का दबाव बनने के कारण चांदी (९९९) की कीमत टूटकर ५८ हजार रुपये प्रति किलोग्राम से भी नीचे पहुंच गई। चांदी में आज १,०६८ रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई, जिसके कारण ये चमकीली धातु फिसल कर ५७,८८१ रुपये प्रति किलोग्राम (अस्थाई) के स्तर पर पहुंच गई।

मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन के मुताबिक करवा चौथ के कारण सर्राफा बाजार में खरीदारी का ट्रेंड बनता नजर आ रहा है, लेकिन फिलहाल बाजार पर करेक्शन का दबाव ज्यादा है। यही वजह है कि पिछले दो कारोबारी दिन के दौरान सोने और चांदी में गिरावट का रुख बना हुआ है। पिछले सप्ताह सोना ५२ हजार रुपये प्रति १० ग्राम के करीब पहुंच गया था, जबकि चांदी भी ६१ हजार रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर को पार करके कारोबार कर रहा था। हालांकि मयंक मोहन ने उम्मीद जताई कि अगले दो दिन के दौरान सोना और चांदी में एक बार फिर तेजी का रुख बन सकता है।

मयंक मोहन के मुताबिक सोना चांदी के कारोबार के लिहाज से वैश्विक परिस्थितियां लगातार प्रतिकूल बनी हुई हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना फिलहाल टॉप लेवेल से करीब २०० डॉलर से भी ज्यादा गिरकर १,७०० डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वैश्विक दबाव ज्यादा बढ़ने पर भारतीय बाजार में भी तेज गिरावट की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है।

कोरोना महामारी के दौरान प्रभावित रहा भारतीय विमानन बाजार पिछले कुछ महीनों में तेजी से सुधरा

नई दिल्ली, : कोरोना महामारी के दौरान बुरी तरह प्रभावित रहा भारतीय विमानन बाजार पिछले कुछ महीनों में तेजी से सुधरा है, जो अब पहले की स्थिति के करीब पहुंचता दिख रहा है। भारत में दैनिक हवाई यात्रियों की संख्या ४ लाख पर पहुंच गई है, जो कोरोना महामारी से पहले के आंकड़े के करीब है।

वैश्विक एयरलाइंस कंपनियों के समूह आईएटीए ने मंगलवार को कहा कि भारत एशिया प्रशांत क्षेत्र के साथ-साथ दुनिया के बाकी हिस्सों के लिए एक प्रमुख विमानन बाजार है। देश के घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या कोरोना पूर्व के स्तर पर पहुंचने के बाद अब हवाई यात्रा की मांग और मजबूत होने की उम्मीद है। इस दौरान विमानन कंपनियों ने भी अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के

अलावा अधिक मार्गों पर उड़ानों का परिचालन शुरू कर दिया है।

आईएटीए दुनियाभर में संचालित होने वाली लगभग २९० विमानन कंपनियों का एक वैश्विक संगठन है। भारत की घरेलू एयरलाइंस भी इसकी सदस्य हैं। एक दिन पहले ही नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा था कि भारतीय विमानन क्षेत्र पूर्ण पुनरुद्धार की राह पर अग्रसर है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने भी हाल में जारी एक रिपोर्ट में कहा कि सितंबर में भारत में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या करीब १.०३ करोड़ तक रहने का अनुमान है, जबकि इसके पहले अगस्त में यह संख्या १.०१ करोड़ रही थी।

आईडीबीआई बैंक की बिक्री में शामिल नहीं हो सकती कोई बड़ी कंपनी

नई दिल्ली: सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आईडीबीआई) की विनिवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने इसके विनिवेश को लेकर संभावित निवेशकों से अभिरुचि पत्र (ईओआई) आमंत्रित किया है। इस बैंक में हिस्सेदारी की बिक्री के लिए ईओआई मंगाए जाने के बीच यह स्पष्ट किया गया कि इस बोली प्रक्रिया में कोई बड़ी कंपनी शामिल नहीं हो सकती है। सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि आईडीबीआई बैंक की बिक्री प्रक्रिया में बड़ी कंपनियों को शामिल होने की अनुमति नहीं दी गई है। इसके साथ ही अभिरुचि पत्र दाखिल करने के लिए बनाए जाने वाले गठजोड़ में कोई बड़ी कंपनी अल्पांश शेयरधारक होने के लिए भी दावेदारी नहीं कर सकती है। इसके

लिए बोलियां जमा करने की अंतिम तिथि १६ दिसंबर तय की गई है। निविदा दस्तावेज में ५,००० करोड़ रुपये से अधिक परिसंपत्तियों वाली कंपनी को बड़े औद्योगिक घराने के रूप में परिभाषित किया गया है।

सरकार और एलआईसी दोनों मिलकर आईडीबीआई बैंक में ६०.७२ फीसदी हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में हैं। केंद्र सरकार की ३०.४८ फीसदी और एलआईसी की ३०.२४ फीसदी हिस्सेदारी बेची जाएगी। इस तरह दोनों की कुल हिस्सेदारी मिलकर आईडीबीआई बैंक की इक्विटी शेयर पूंजी का ६०.७२ फीसदी है, जो खरीदार को स्थानांतरित हो जाएगी। आईडीबीआई बैंक की बिक्री प्रक्रिया अगले वित्त वर्ष में पूरी हो सकती है।

गडकरी ने देश में इथेनॉल से चलने वाली पहली कार लॉन्च करके की पहली ड्राइविंग

नई दिल्ली, : केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने देश में इथेनॉल से चलने वाली पहली कार को लॉन्च किया। गडकरी ने कार की लॉन्चिंग के बाद इसकी पहली ड्राइविंग भी की। जापान की ऑटोमोबाइल कंपनी टोयोटा की फ्लेक्स-हाइब्रिड फ्यूल कार पेट्रोल, इथेनॉल या पेट्रोल और इथेनॉल के मिश्रण से भी चल सकती है।

राजधानी दिल्ली में आयोजित इस कार की लॉन्चिंग समारोह में गडकरी ने मंगलवार को कहा कि टीवीएस, बजाज और हीरो मोटोकॉर्प पहले से ही इथेनॉल व्हीकल्स के साथ तैयार हैं। हमें अब इलेक्ट्रिक, इथेनॉल, मेथनॉल, बायोडीजल और हाइड्रोजन फ्यूल को बढ़ावा देने की जरूरत है। दरअसल, इस कार को भारत में टोयोटा ने पायलट प्रोजेक्ट के तहत फ्लेक्सी-फ्यूल स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (एफएफवी-एसएचईवी) के तौर पर लॉन्च किया है। इस अवसर पर पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव भी मौजूद रहे।

इथेनॉल से चलने वाली कार की लॉन्चिंग को महंगे पेट्रोल-डीजल के विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। पेट्रोल-डीजल के दाम लगातार बढ़ने से लोगों की जेब पर बोझ बढ़ रहा है। इसलिए सरकार इथेनॉल को पेट्रोल-डीजल के विकल्प के रूप में लाना चाहती है। इथेनॉल से चलने वाली कार न सिर्फ किफायती और सस्ती होगी, बल्कि पर्यावरण पर वायु प्रदूषण के बुरे असर से भी बचा जा सकेगा।

Printed by Abinash Mishra Published by Abinash Mishra on behalf of (or owned) by Padmalaya Mishra And Printed at M/S Durga Madhav Printers, At-Bajrakabati Road Po-Buxibazar, Cuttack-1 Dist-Cuttack ODISHA) Published at Thatari Sahi,Chauligang Po-Nayabajar, Cuttack-4, Dist-Cuttack ODISHA). **Editor-Abinash Mishra** Mob-9437045332 email:mahanadisuperfast20@gmail.com,

मुद्रक अविनाश मिश्र तथा प्रकाशक अविनाश मिश्र दबारा(स्वामी का नाम) पद्मालया मिश्र (मुद्रण स्थल) से मुद्रति तथा दुर्गा माधब प्रीण्टर्स आट-बज़क बाटी रेाड , बक्सीबजार ,कटक -1 (प्रकाशन स्थल) से प्रकाशीत थाटरी साही , चाउलीआ गंज ,कटक -753004 संपादक : अविनाश मिश्र

Bhubaneswar Office: Plot-493,Sarathi Market Complex, Govinda Prasad,BomikhalBhubaneswar-10